दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

रवि बाबू की फिल्म रेजर का ट्रेलर ...8

सिद्धार्थनगर
गुरुवार, 30 अप्रैल 2026
वर्षः 13 अंक : 131 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रुपया

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

अब मेरठ से प्रयागराज सिर्फ 6 घंटे में

पीएम मोदी ने 12 जिलों को जोड़ने वाले एक्सप्रेसवे का किया उद्घाटन

हरदोई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का बुधवार को हरदोई के मल्लावां में उद्घाटन किया। आधिकारिक बयान के अनुसार लगभग 36,230 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा के समय को वर्तमान 10–12 घंटे से घटाकर लगभग छह घंटे कर देगा। इसमें कहा गया कि गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज सहित 12 प्रमुख जिलों को जोड़ता है। इससे पहले, प्रधानमंत्री के हरदोई पहुंचने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया और उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किया। योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हरदोई से एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के साथ राज्य की विकास यात्रा को नयी गति मिलेगी। उन्होंने छह लेन एक्सप्रेसवे को गांवों, किसानों, उद्यमियों और युवाओं को जोड़ने वाली "जीवन रेखा" बताते हुए कहा कि यह विकास को गति देने और दूरियां समेटने में अहम भूमिका निभाएगा। केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी इस परियोजना को देश के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे में से एक और राज्य को आधुनिक बुनियादी ढांचे का तोहफा बताया। आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीईआईडीए) की प्रदर्शनी का अवलोकन करने, पौधरोपण करने और जनसभा को संबोधित करने के बाद दोपहर में वापस लौटने का कार्यक्रम है। बयान में कहा गया कि इसे सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर विकसित किया गया है। यह छह लेन का एक्सप्रेसवे है, जिसे आठ लेन तक विस्तारित किया जा सकता है। आधिकारिक बयान के अनुसार इसकी एक प्रमुख विशेषता शाहजहांपुर के पास बनी 3.2 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी है, जहां आपात स्थिति में वायुसेना के विमान उतर सकते हैं। इसमें कहा गया कि पूरे मार्ग पर उन्नत तकनीक आधारित इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस), सीसीटीवी निगरानी, इमरजेंसी कॉल बॉक्स और एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है। बयान में कहा गया कि एक्सप्रेसवे के किनारे 'इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर' (आईएमएलसी) विकसित किए जा रहे हैं, जिनमें बड़े गोदाम, शीतगृह और खाद्य प्रसंस्करण केंद्र जैसी सुविधाएं निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन में सहायक होंगी। यह एक्सप्रेसवे पूर्वांचल, आगरा–लखनऊ, बुंदेलखंड और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे सहित अन्य प्रमुख कॉरिडोर से भी जुड़ेगा, जिससे एक विशाल अंतरसंपर्क तंत्र तैयार होगा।

बंगाल चुनाव 2026: अंतिम चरण में 92.25 प्रतिशत का रिकॉर्ड मतदान

, कोलकाता। श्कौन कहता है आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों।श चुनाव आयोग के अथक प्रयास, प्रशासनिक अधिकारियों की तत्परता, चुनावी ड्यूटी में शामिल लोगों की कड़ी मेहनत, केंद्रीय बलों व पुलिस की मुस्तैदी को जनता जनार्दन ने अपना पूर्ण समर्थन दिया। उन्होंने लोकतंत्र के पर्व में अभूतपूर्व भागीदारी कर न केवल बंगाल के माथे पर दशकों से लगा श्चुनावी हिंसा वाला राज्यश का कलंक पोंछ डाला बल्कि इसे देश–दुनिया के सामने रोल मॉडल भी बना दिया। बंगाल के चुनावी इतिहास में ऐसा विरले है कि न बम फटा, न गोलियां चलीं, न रक्त बहा और न ही कोई मौत हुई, फिर भी अबाधा, स्वतंत्र व शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हो गया। यह एक नए चुनावी युग का शुभारंभ है। बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण की तरह बुधवार को दूसरे व अंतिम चरण में भी जमकर वोट बरसे। सात जिलों की 142 सीटों पर रात 9 बजे तक 92.25 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ, जो सर्वकालिक रिकॉर्ड है। इससे पहले प्रथम चरण में 16 जिलों की 152 सीटों पर भी 93.19 प्रतिशत का रिकार्ड मतदान हुआ था, जो देशभर में सर्वाधिक था। पहले व दूसरे चरण को मिलाकर रात नौ बजे तक 92.72 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। यह अंतिम आंकड़ा नहीं है। वोट प्रतिशत थोड़ा और बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने बंगाल के मतदान वाले समस्त जिलों में आंधी–तूफान के साथ बारिश की आशंका जताई थी, लेकिन वोटों की आंधी चली और बौछार हुई।

बंगाल एग्जिट पोल 2026: बीजेपी– टीएमसी में कांटे की टक्कर, 4 मई को होगा फैसला

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल्स में बेहद दिलचस्प और करीबी मुकाबले के संकेत मिले हैं। ज्यादातर सर्वेक्षणों में भारतीय जनता पार्टी को हल्की बढ़त मिलती दिख रही है, लेकिन तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं है और कई अनुमानों में तृणमूल कांग्रेस भी मजबूती से मुकाबले में बनी हुई है। कुछ आकलन तो त्रिशंकु विधानसभा (हंग असेंबली) की संभावना भी जता रहे हैं। पोल ऑफ पोल्स' में बराबरी का मुकाबलाः वभिन्न एग्जिट पोल्स के औसत के अनुसार 294 सदस्यीय विधानसभा में बीजेपी और टीएमसी दोनों को करीब 145–145 सीटें मिल सकती हैं, जबकि अन्य दलों के खाते में 3–5 सीटें जा सकती हैं। बहुमत के लिए 148 सीटों की जरूरत होती है, ऐसे में यह स्थिति बेहद पेचीदा मानी जा रही है।

हेट स्पीच पर पहले से ही कानून मौजूद, एससी ने खारिज की याचिकाएं, नई गाइडलाइन बनाने से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि, हेट स्पीच के अपराध से निपटने के लिए मौजूदा कानून काफी हैं। इसमें कोई कानूनी खालीपन नहीं है, जिसके लिए कोर्ट को दखल देने की जरूरत हो। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि, किसी अपराध के लिए सजा तय करना पूरी तरह से विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। फैसला सुनाते हुए जस्टिस नाथ ने आगे कहा, शक्तियों के बंटवारे के सिद्धांत पर आधारित संवैधानिक व्यवस्था न्यायपालिका को न्यायिक निर्देशों के जरिए, नए अपराध बनाने या आपराधिक दायित्व के दायरे को बढ़ाने की इजाजत नहीं देती है। कोर्ट ने आगे कहा कि, याचिका कर्ताओं की शिकायत कानून की कमी से नहीं, बल्कि उसके लागू न होने की कमी से है।

ओडिशा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5 पिस्तौल, 20 जिंदा कारतूस जब्त, 3 गिरफ्तार

झारसुगुड़ा (ओडिशा)। ओडिशा पुलिस ने एक बड़ी आपराधिक योजना का फंडाफोड़ करते हुए पांच पिस्टल, 20 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं. इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है. झारसुगुड़ा जिले के ब्रजराजनगर पुलिस ने मंगलवार को यह सफलता हासिल की. ब्रजराजनगर पुलिस ने 5 पिस्टल (7.65 एमएम), 20 जिंदा कारतूस, एक बाइक, एक गन डीलर और दो अन्य को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों में ब्रजराजनगर थाना अंतर्गत तेलेनपल्ली निवासी संतोष खेडकर (36), पीएम कॉलोनी निवासी हबीब बाग (30) और लमटीबहाल निवासी मुख्य सप्लायर बंटी प्रसाद (34) शामिल हैं. हत्या की योजना के लिए बंदूक खरीदी गई थी.

पश्चिम एशिया संकट की मार!

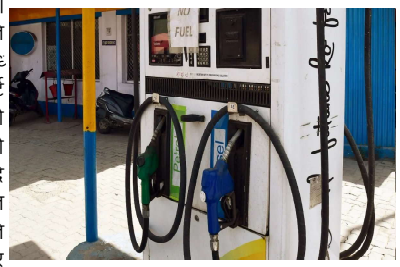

पेट्रोल एवं डीजल पर 18 तक पहुँचा तेल कंपनियों का घाटा, सब्सिडी का बोझ बढ़ने के आसार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भू–राजनीतिक तनाव ने भारत की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। रेटिंग एजेंसी इक्रा की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आए उछाल के बावजूद घरेलू स्तर पर ईंधन की कीमतें स्थिर रहने से सरकारी तेल विपणन कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, कच्चे तेल की बढ़ती लागत और पंपों पर स्थिर कीमतों के बीच का अंतर बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में तेल कंपनियों को हो रहा नुकसान इस प्रकार हैरू पेट्रोलरू ध्14 प्रति लीटर का घाटा। डीजलरू ध्18 प्रति लीटर का घाटा। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा कि यदि कच्चे तेल की कीमत 120–125 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बनी रहती है, तो पेट्रोलियम कंपनियों का विपणन मार्जिन आगे भी नकारात्मक बना रहेगा, जिससे कंपनियों की लाभप्रदता प्रभावित हो रही है। इक्रा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशांत वशिष्ठ ने कहा, "कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद वाहन ईंधन की कीमतों में स्थिरता से पेट्रोलियम कंपनियों की मुनाफा कमाने की क्षमता पर असर पड़ रहा है।" रिपोर्ट के मुताबिक, पेट्रोल–डीजल के अलावा रसोई गैस (एलपीजी) पर भी भारी 'अंडर–रिकवरी' यानी नुकसान होने की आशंका है, जो वित्त वर्ष 2026–27 में करीब 80,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। वहीं, इस अवधि में उर्वरक सब्सिडी बढ़कर 2.05 लाख करोड़ से 2.25 लाख करोड़ रुपये के बीच पहुंच जाने का अनुमान है, जो 1.71 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान से काफी अधिक है। इक्रा ने कहा कि करीब 20 प्रतिशत वैश्विक तेल एवं गैस आपूर्ति वाले समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधाओं के कारण ईंधन, उर्वरक और रसायनों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। इससे कीमतों में वृद्धि और तेल रिफाइनरी और विपणन कंपनियों पर लागत दबाव बढ़ा है। फरवरी अंत में पश्चिम एशिया संकट शुरू होने से पहले कच्चे तेल की कीमत 70–72 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थी, जो 100 डॉलर प्रति बैरल से अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऊर्जा और कच्चे माल की अधिक लागत का असर तेल विपणन, उर्वरक, रसायन और शहरी गैस वितरण क्षेत्रों की लाभप्रदता पर पड़ेगा, क्योंकि कंपनियां लागत का पूरा बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाल पा रही हैं। इक्रा ने कच्चे तेल रिफाइनिंग क्षेत्र के लिए परिदृश्य 'स्थिर' रखा है, लेकिन ईंधन खुदरा बिक्री, उर्वरक, बेसिक केमिकल और पेट्रोकेमिकल क्षेत्रों के लिए 'नकारात्मक' दृष्टिकोण जताया है। उर्वरक क्षेत्र में सल्फर और अमोनिया की कीमतों में वृद्धि तथा प्राकृतिक गैस महंगी होने से लागत में तेज इजाफा हुआ है। यूरिया पूल की कीमत अप्रैल 2026 में बढ़कर करीब 19 डॉलर प्रति यूनिट हो गई है, जो संकट से पहले लगभग 13 डॉलर थी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कच्चे माल की महंगाई और सब्सिडी में पर्याप्त संशोधन नहीं होने से फॉस्फेटिक और पोटाश (पीएंडके) उर्वरक कंपनियों का मुनाफा प्रभावित हो सकता है। मौसम संबंधी जोखिम भी किसानों की कीमत बढ़ोतरी सहने की क्षमता को सीमित कर सकते हैं।

ये सब बांग्लादेशी हैं,कोलकाता में घिरे सुवेंदु अधिकारी का बड़ा दावा, पुलिस को करना पड़ा लाठीचार्ज

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान सात जिलों में फैले 142 निर्वाचन क्षेत्रों में जारी है और मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस को तैनात किया गया है। मतदान के दौरान, कोलकाता के एक मतदान केंद्र पर उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई जब भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी वहां पहुंचे। टीएमसी समर्थकों के एक समूह द्वारा उन्हें घेर लिए जाने के बाद स्थिति कुछ समय के लिए और बिगड़ गई। मतदान केंद्र के दौरे के दौरान टीएमसी समर्थकों ने सुवेंदु अधिकारी को घेर लियाः राज्य में विपक्ष के नेता और भाबानीपुर और नंदीग्राम से भाजपा उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए एक मतदान केंद्र पर पहुंचे। उनके दौरे के दौरान, टीएमसी समर्थक जमा हो गए और ष्जय बंगालष के नारे लगाने लगे। भीड़ ने जल्द ही उन्हें घेर लिया, जिससे मतदान केंद्र पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। सीआरपीएफ और पुलिस ने हस्तक्षेप किया, भीड़ को तितर–बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गयाः सीआरपीएफ कर्मियों ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर स्थिति को संभालने के लिए हस्तक्षेप किया। भीड़ को तितर–बितर करने और इलाके को खाली कराने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया गया। एक अलग वीडियो बयान में सुवेंदु अधिकारी ने कहा ये सभी बांग्लादेशी मुसलमान हैं३ वे डरे हुए हैं। ममता का सफाया हो जाएगा," सुरक्षा बलों के हस्तक्षेप से पहले घटनास्थल पर तनाव कुछ समय के लिए बढ़ गया था।

केरल में 10 साल बाद यूडीएफ की होगी वापसी? सत्ता बदलने के मजबूत संकेत

कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे (यूडीएफ) के एक दशक बाद केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) से सत्ता छीनने की संभावना है। एग्जिट पोल के अनुमानों के मुताबिक विपक्षी गठबंधन को स्पष्ट बढ़त मिल रही है। मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन के एलडीएफ की स्थिति खराब होने की आशंका है, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को आक्रामक चुनाव प्रचार के बावजूद कोई खास प्रभाव डालने में मुश्किल हो सकती है। मैट्रिज के अनुसार, यूडीएफ को 70–75 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि एलडीएफ को 60–65 और एनडीए को 3–5 सीटें मिल सकती हैं। पीपुल्स पल्स ने यूडीएफ के लिए 75–85 सीटें, एलडीएफ के लिए 55–65 और एनडीए के लिए 0–3 सीटोंका अनुमान लगाया है। एक्सिस माई इंडिया ने यूडीएफ की 78–90 सीटों के साथ आरामदायक जीत का अनुमान लगाया है, जबकि एलडीएफ के लिए 49–62 सीटें और एनडीए के लिए 0–3 सीटों का अनुमान है। नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। केरल में 140 विधानसभा सीटें हैं और यहां 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान हुआ। बहुमत के लिए 71 सीटों की आवश्यकता है। यदि 4 मई को एग्जिट पोल के अनुमान सही साबित होते हैं, तो यह केरल में सत्ताधारी एलडीएफ को एक और बड़ा झटका होगा। वहीं, कांग्रेस के लिए यह एक दशक बाद महत्वपूर्ण वापसी का संकेत होगा, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में उसके बेहतर प्रदर्शन पर आधारित होगी। दक्षिणी राज्य में शासन, कल्याणकारी योजनाओं, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के आरोपों और सत्ता विरोधी भावनाओं पर केंद्रित एक जोरदार चुनाव प्रचार देखने को मिला। यूडीएफ ने प्रशासनिक परिवर्तन और आर्थिक पुनरुद्धार के वादों पर चुनाव प्रचार किया, जबकि एलडीएफ ने पिनारयी विजयन की सरकार के तहत कल्याणकारी योजनाओं के वितरण और बुनियादी ढांचे के विस्तार को प्रमुखता दी।

ईरान–यूएस टेंशन के बीच सरकार का बड़ा एक्शन, Gulf से 29 भारतीय नाविकों की सुरक्षित घर वापसी

नई दिल्ली। बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि भारत ने अब तक कुल 2929 नाविकों को स्वदेश वापस भेज दिया है, जिनमें से पिछले 24 घंटों में 29 भारतीय नाविकों को वापस भेजा गया है।

पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों पर अंतर–मंत्रालयी मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने आश्वासन दिया कि फारस की खाड़ी में मौजूद सभी भारतीय जहाजों और उनके चालक दल पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, और पुष्टि की कि क्षेत्र में सभी नाविक सुरक्षित हैं।

क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। पिछले 24 घंटों में भारतीय ध्वज वाले किसी भी जहाज से संबंधित कोई घटना दर्ज नहीं की गई है। मंगल ने आगे कहा कि बंदरगाह एवं जहाजरानी मंत्रालय ने 2829 भारतीय नाविकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी में सहायता की है। पिछले 24 घंटों में 29 नाविकों को वापस भेजा गया है। उन्होंने आगे बताया कि जहाजरानी महानिदेशालय (डीजी शिपिंग) का नियंत्रण कक्ष सक्रिय रूप से पूछताछ और सहायता अनुरोधों को संभाल रहा है, डीजीसीए नियंत्रण कक्ष को लगभग आठ हजार कॉल और सत्रह हजार ईमेल प्राप्त हुए हैं। पिछले 24 घंटों में, हमें 114 कॉल और 276 ईमेल प्राप्त हुए हैं। खाड़ी क्षेत्र में तनाव बना हुआ है क्योंकि अमेरिका और ईरान संघर्ष को समाप्त करने के लिए किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाए हैं। हालांकि, 21 अप्रैल की समय सीमा के बाद भी अस्थायी युद्धविराम जारी है, जिससे वाशिंगटन और तेहरान को शर्तों पर बातचीत करने के लिए समय मिल रहा है। ट्रम्प ने तेहरान के हालिया राजनयिक प्रयासों पर गहरी असंतुष्टि व्यक्त की है।

आरोपी पत्नी सोनम को जमानत मिलने से मृतक राजा रघुवंशी का परिवार सदमे में, CBI जांच की मांग

मेघालय की एक स्थानीय अदालत द्वारा सोनम रघुवंशी को जमानत दिए जाने के फैसले ने इंदौर में रहने वाले मृतक राजा रघुवंशी के परिवार को गहरे सदमे और आक्रोश में डाल दिया है। मंगलवार को परिजनों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए इस पूरे हत्याकांड की जांच सीबीआई (ब्ठप्) से कराने की मांग की है। मेघालय की एक स्थानीय अदालत में सोनम की जमानत अर्जी मंजूर होने की खबर मिलते ही इंदौर में राजा रघुवंशी के परिवार को करारा झटका लगा। राजा की भावुक मां उमा ने संवाददाताओं से कहा कि सोनम उनके बेटे के हत्याकांड की कथित तौर पर मुख्य साजिशकर्ता है और उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि आखिर उसे जमानत कैसे मिल गई। उन्होंने कहा कि मेघालय पुलिस ने पिछले नौ महीने में इस मामले की अच्छी तरह जांच की, 'लेकिन यह उनकी समझ से परे है कि महीने–दो महीने में खेल अचानक कैसे बदल गया?' राजा की मां ने कहा,"हम सरकार से एक ही मांग करते हैं कि हत्याकांड के शिकार मेरे बेकसूर बेटे को इंसाफ मिले। मुझे इस मामले में सीबीआई जांच चाहिए।" राजा के बड़े भाई विपिन ने कहा कि उनका परिवार सोनम को जमानत देने के निचली अदालत के फैसले को मेघालय उच्च न्यायालय में चुनौती देगा। उन्होंने कहा,"सोनम की जमानत अर्जी के पक्ष में अदालत में पैरवी करते वक्त उसके वकील ने इस बात को मुख्य आधार बनाया कि मेघालय पुलिस ने उसके मुवक्किल को गिरफ्तार करते वक्त उसे गिरफ्तारी के विशिष्ट कारण की सूचना उचित तरीके से नहीं दी थी जिससे कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन हुआ।" विपिन ने जांच में 'हेर–फेर' का संदेह जताते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष ने उन्हें अब तक न तो आरोप–पत्र की प्रति प्रदान की है, न ही उन्हें से ठीक से देखने का मौका मिला है।

पदाधिकारियों, सदस्यों में किया परिचय-पत्र का वितरण

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बुधवार को प्रेस क्लब सभागार में समारोहपूर्वक श्रमजीवी पत्रकार यूनियन उ. प्र. के जिला पदाधिकारियों, सदस्यों में परिचय–पत्र का वितरण किया गया। प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गोंड ने कहा कि श्रम जीवी पत्रकार यूनियन स्थानीय, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकार हितां के लिये निरन्तर संघर्षरत है। जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि पहचान और विश्वसनीयता के लिये परिचय पत्र आवश्यक है। उन्होने कहा कि पदाधिकारी और सदस्य अपना परिचय पत्र सदैव साथ रखें। अति शीघ्र पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कराया जायेगा। परिचय–पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग', राजेश कुमार पाण्डेय, अनूप मिश्र, राकेश गिरी, रितिक कुमार, अमर सोनी, अजय कुमार श्रीवास्तव, जितेन्द्र कुमार, अनिल कुमार पाण्डेय, सरताज आलम, कपीश मिश्र, बजरंग प्रसाद शुक्ल, मो. कलीम, राकेश त्रिपाठी, लवकुश सिंह, अरूण कुमार, अखिलेश यादव आदि उपस्थित रहे।

दानवीर भामाशाह बनियां समुदाय के गौरव–संजय प्रताप जायसवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बुधवार को वैश्य शिरोमणि दानवीर भामाशाह की जयन्ती का आयोजन साहू महासभा द्वारा प्रेस क्लब सभागार में किया गया। इस

अवसर पर मेधावी छात्र–छात्राओं जिला टापर हाईस्कूल की वैष्णवी गुप्ता और आकाश गुप्ता को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत कर उनका हौसला बढाया। मुख्य अतिथि संजय प्रताप जायसवाल ने बताया कि दानवीर भामाशाह बनियां समुदाय के गौरव हैं जो देश हित में हिन्दू सभ्यता की रक्षा के लिये अपने पूरे जीवन की पूंजी को दान कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष धर्मराज गुप्ता ने बताया कि भामाशाह का जन्म 29 अप्रैल 1547 में राजस्थान के मेवाड राज में हुआ था इनके पिता का नाम भारमल कांवडिया था यह महाराणा प्रताप के बचपन के मित्र थे और बाद में मेवाड के सलाहकार व प्रधानमंत्री बनाये गये हल्दी घाटी युद्ध के बाद महाराणा प्रताप के पास धन और संसाधनों की भारी कमी थी देश पर मुगलकाल का संकट गहराने लगा उस समय दानवीर भामाशाह ने आगे बढ़ करके अपना सारा धन सम्पदा देश व हिन्दू सभ्यता को बचाने के लिये महाराणा प्रताप को दान दे दिया। विशिष्ठ अतिथि सन्तराम गुप्ता प्रदेश उपाध्यक्ष ने सभी को एक जुटता का मंत्र दिया और ऐसा आयोजन हर वर्ष होने का आश्वासन दिया कार्यक्रम में मुख्य रूप जिला संरक्षक राम बहोर गुप्ता, विष्णु गुप्ता, राम सहाय गुप्ता, लाल जी गुप्ता, श्याम सुन्दर गुप्ता, जितेन्द गुप्ता, अनिल गुप्ता, दलजीत गुप्ता, देवराज गुप्ता,लवकुश गुप्ता, राजन गुप्ता का विशेष योगदान रहा। संचालन ओम प्रकाश ठाकुर ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजेश गुप्ता, पवन गुप्ता, विवेकानन्द गुप्ता, राम प्रसाद साहू, राजन गुप्ता, आजाद गुप्ता, सूर्यनाथ साहू, सुबाष साहू, राम उग्रह साहू, संतोष कुमार गुप्ता, विकास बरनवाल, राजीव जायसवाल, सतीश सोनकर आदि सैकडो लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया

गोरखपुर मंडल में 200 श्रमिकों की बेटियों के हाथ पीले कराएगी योगी सरकार

गोरखपुर,। अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर योगी सरकार गोरखपुर मंडल के 200 श्रमिकों के परिवारों को बड़ा उपहार देने जा रही है। इस दिन सरकार किसी भी परिवार के लिए बिटिया की शादी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी उठाने जा रही है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप श्रमिक दिवस पर एक मई को मंडल के चारों जिलों से कुल मिलाकर 200 बेटियों का सामूहिक विवाह कराकर श्रमिकों की एक बड़ी चिंता दूर कर दी जाएगी। श्रम विभाग की तरफ से सामूहिक विवाह का कार्यक्रम गोरखपुर के चंपा देवी पार्क में शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे से होगा। इसमें श्रम मंत्री और कई जनप्रतिनिधि मेजबान के रूप में उपस्थित रहेंगे। श्रम विभाग के उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की तरफ से संचालित 'कन्या विवाह सहायता योजना' के तहत आयोजित हो रहे सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मंडल के चार जिलों गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया और कुशीनगर के 200 जोड़ों का सामूहिक विवाह अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर प्रस्तावित है।

सामूहिक विवाह के इस आयोजन में विभाग प्रति जोड़े के विवाह पर एक लाख रुपये खर्च करेगा। इसमें से 85000 रुपये प्रत्येक उपस्थित जोड़े के बैंक खाते में भेजे जाएंगे। जबकि 15000 रुपये प्रति जोड़े की दर से आयोजन व्यय का भुगतान किया जाएगा। श्रम विभाग की तरफ से सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन भव्य बनाने की तैयारी की गई है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर सहित तमाम जनप्रतिनिधि स्वयं मेजबान की भूमिका में उपस्थित रहेंगे। विभाग का प्रयास है कि आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिक परिवारों की बेटियों का विवाह गरिमापूर्ण और उत्सवपूर्ण वातावरण में संपन्न हो।उप श्रमायुक्त शक्तिसेन का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर सामूहिक विवाह समारोह के आयोजन का उद्देश्य श्रमिकों को यह अहसास कराना है कि सरकार उनके सुख–दुख में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने बताया कि चंपा देवी पार्क में आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं, ताकि श्रमिकों और उनके परिजनों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

बिना मान्यता उच्च कक्षाओं का संचालन करने वाले विद्यालयों पर कार्रवाई, तत्काल रोक के दिए गए निर्देश

कुशीनगर। सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक सप्तम गोरखपुर मंडल ने बुधवार को कुशीनगर जनपद के विकास खंड सुकरौली एवं मोतीचक में मान्यता प्राप्त विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। सीएलएस इंटरनेशनल स्कूल तुरकहिया कुशीनगर को कक्षा 1 से 5 तक की ही मान्यता प्रदान की गई है किन्तु वहां अनियमित रूप से 6, 7 एवं 8 की कक्षा संचालित पाई गई। इसी प्रकार जेएन इंटरनेशनल स्कूल टीकर कुशीनगर में कक्षा एक से आठ तक की मान्यता प्राप्त है परंतु वहां 9 की कक्षा संचालित पाई गई। जेएसआई इंटरनेशनल स्कूल को कक्षा 8 तक की मान्यता प्राप्त है परंतु वहां भी 9 एवं 10 की कक्षा संचालित पाई गई। जीएस वर्ल्ड स्कूल अहिरौली कुशीनगर को कक्षा 1 से 5 तक की मान्यता प्राप्त है परंतु वहां उच्च कक्षा भी संचालित पाई गई। इस विद्यालय का एक नया ब्रांच भी खुला है जो बिना मान्यता के 6 से 9 तक विद्यालय संचालित करते हुए पाया गया। इन विद्यालयो को तत्काल अमान्य कक्षा संचालन पर रोक लगाने हेतु निर्देशित किया गया है।

गंगा एक्सप्रेसवे से पूर्वांचल की आर्थिकी को भी मिलेगी रफ्तार'

पूर्वांचल और राज्य पश्चिमी हिस्से की कनेक्टिविटी होगी मजबूत, सप्लाई चेन में आएगी तेजी'

गोरखपुर, 29 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों बुधवार को जन समर्पित हुए गंगा एक्सप्रेसवे के जरिये न केवल पूर्वांचल और राज्य पश्चिमी हिस्से की कनेक्टिविटी मजबूत हो जाएगी बल्कि इससे पूर्वांचल की आर्थिकी को भी रफ्तार मिलेगा। हाल के कुछ सालों में इंडस्ट्री के हब के रूप में विकसित हो रहे गोरखपुर में तैयार उत्पादों को, गंगा एक्सप्रेसवे के माध्यम से अब और आसानी से पश्चिमी यूपी व एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) भेजना सुगम हो जाएगा। कनेक्टिविटी की नई श्रृंखला का सबसे फायदा यहां के कृषि और औद्योगिक जगत को मिलेगा। कृषि और औद्योगिक उत्पादों की सप्लाई चेन अब और आसानी तथा तेजी से काम करने लगेगी।चौंबर ऑफ इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष एसके अग्रवाल का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्वांचल के लिए पहले से दो एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और इससे कनेक्ट गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की सौगात दे रखी है। इसकी कनेक्टिविटी का पूरा फायदा आमजन के साथ उद्योग–व्यापार जगत को मिल रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे से भी उद्योग–व्यापार के क्षेत्र को खासा लाभ मिलेगा। लिंक एक्सप्रेसवे और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से होकर रायबरेली या वाया लखनऊ, गंगा एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी मिल जाएगी। इससे गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश में तैयार माल काफी कम समय में एनसीआर और पश्चिमी यूपी के अन्य जिलों में भेजा जा सकेगा। इसी तरफ एनसीआर या इससे होते हुए अन्य राज्यों से यहां खपत होने वाले माल को मंगाने में आसानी हो जाएगी।श्री अग्रवाल का अनुमान है कि माल भेजने और मंगाने में 50 प्रतिशत तक समय की बचत हो जाएगी। हाल के सालों में गोरखपुर में बने रेडीमेड गारमेंट्स की सप्लाई नोएडा, गाजियाबाद और पश्चिम के अन्य जिलों में हो रही है। कृषि उत्पादों और टेक्सटाइल की सप्लाई का काम यहां पहले से होता रहा है। गोरखपुर में तीव्र औद्योगिक विकास के बाद इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट की भी आपूर्ति एनसीआर और अन्य जिलों तक हो रही है। यह सप्लाई चेन गंगा एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी से जुड़ेगी तो यहां की आर्थिकी को नया विस्तार मिल जाएगा

।उल्लेखनीय है कि प्रयागराज से एक लिंक रोड प्रस्तावित है जो इसे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे (गाजीपुर–लखनऊ) में सीधे जोड़ेगी। इससे पश्चिमी यूपी से लेकर पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के अलावा अन्य जिलों तक के लिए भी यात्रा सुगम और कम समय में हो जाएगी। इसके अलावा गंगा एक्सप्रेसवे पर उन्नाव के पास एक बड़ा इंटरचेंज बनाया गया है जो आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे से भी जुड़ता है। इससे पूर्वांचल के लोगों का नोएडा या दिल्ली पहुंचना और भी आसान हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, भविष्य में प्रस्तावित शामली–गोरखपुर एक्सप्रेस वे (जो गंगा एक्सप्रेसवे से भी बड़ा होगा) के साथ मिलकर, यह पूरे पूर्वोत्तर भारत और पश्चिम यूपी को जोड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक कॉरिडोर बन जाएगा।

पिंक रोजगार मेले के आयोजन में 80 महिला अभ्यर्थियों का हुआ चयन

कुशीनगर। जनपद के पडरौना नगर स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के परिसर में पिंक रोजगार मेला, केवल महिला अभ्यर्थियों हेतु का पहली बार आयोजन किया गया। मेले में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा प्रतिभाग किया। जिनमें वर्धमान टेक्सटाइल सोलन, हिमाचल प्रदेश, प्रतिभा सिंटेक्स धार, मध्य प्रदेश, मदरसन सुमी नोएडा एवं प्रोसपैरिटी फैशन लिमिटेड गोरखपुर प्रमुख रहे। रोजगार मेले में कुल 150 महिला अभ्यर्थियों ने भाग लिया। जिनमें से 80 अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से विभिन्न पदों हेतु किया गया। कार्यक्रम के दौरान नोडल प्रधानाचार्य द्वारा अपने संबोधन में विधायक पडरौना सदर मनीष जायसवाल, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर श्रीमती प्रियम्बदा यादव पिंक मेला प्रभारी, श्वेता, श्रीमती सुषमा सिंह, श्रीमती पूजा श्रीवास्तव, नेहा पासवान, कु० हर्षा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

योग समग्र स्वास्थ्य के साथ मोक्ष का भी साधनः डॉ. तोमर'

एमजीयूजी के आयुर्वेद कॉलेज में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2026) के लिए 100 दिवसीय काउंटडाउन कार्यक्रम के सातत्य में बुधवार को श्योगरू कल्याण, ज्ञान और विश्व शांतिश विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने कहा कि योग भारतीय वांग्मय की अभूतपूर्व देन है जो सर्वांगीण स्वास्थ्य ही नहीं पुरुषार्थ चातुष्ट्य को प्राप्त कराने वाला है। आयुर्वेद में योग को मोक्ष प्राप्त कराने वाला कहा गया है।डॉ. तोमर ने कहा कि योग एक ऐसा विज्ञान है जो शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक रूप से सम्पूर्ण स्वास्थ्य को प्रदान करता है। यह स्वास्थ्य संरक्षण एवं संवर्धन में जितना उपयोगी है उतना ही विविध रोगों के निवारण में भी प्रभावी है। हमें इसका प्रचार एवं प्रसार करके समस्त विश्व के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। उन्होंने बताया कि आयुष मंत्रालय ने योग दिवस के 100 दिन पूर्व 13 मार्च 2026 से भव्य आयोजन का शंखनाद किया है। इसका उद्देश्य 21 जून 2026 को होने वाले मुख्य आयोजन से पहले योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को जीवनशैली में इसे अपनाने के लिए प्रेरित करना है । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 का कार्यक्रम नियमित रूप से चल रहा है। उन्होंने कहा कि योग हमारे विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम में स्वस्थवृत्त विषय में सन्निहित है। इसका सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्रत्येक विद्यार्थी को दिया जाता है। इस अवसर पर डॉ. दिनेश कुमार सिंह, डॉ. प्रज्ञा सिंह, डॉ. वैशाख आर, सहायक आचार्य, डॉ. जितेंद्र मिश्रा, डॉ. विनम्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की सहभागिता रही। एमजीयूजी परिसर में स्थित महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय की विशिष्ट ओपीडी शिविर में बुधवार को विश्व आयुर्वेद मिशन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने गठिया, दमा, डायबिटीज, हृदयरोग, त्वचा रोग आदि के सौ से अधिक रोगियों का परीक्षण कर चिकित्सा परामर्श प्रदान किया। इस शिविर में आयुर्वेद कॉलेज के छात्रों ने क्लिनिकल प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।

कार्यालय : नगर पंचायत- बिस्कोहर, जनपद- सिद्धार्थनगर

ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

नगर पंचायत बिस्कोहर, जनपद–सिद्धार्थनगर में वर्ष 2025–26 हेतु 'पेयजल हेतु व्यवस्था योजना' के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्नांकित निर्माण कार्य हेतु नगर पंचायत बिस्कोहर के लिए ठेकेदारों से आनलाइन ई–निविदा प्रतिशत दर पर आमन्त्रित की जाती है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यो हेतु निविदा डाल सकता है। निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी www.etender.up.nic.in पर तथा नगर पंचायत बिस्कोहर कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

A	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशन/अपलोड की तिथि	29.04.2026
B	वेबसाइट से आनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि	29/04/2026 अपराह्न 2.00 बजे से
C	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	16.05.2026 को सायं 3.00 बजे तक
D	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	18.05.2026 को अपराह्न 2.00 बजे
E	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय	18.05.2026 को अपराह्न 4.00 बजे
F	निविदा मूल्य बिक्री की अन्तिम तिथि	15.05.2026 को सायं 03.00 बजे तक
G	ई–निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय नगर पंचायत बिस्कोहर

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बिस्कोहर
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

पत्रांक :–45/न०पं०बि0/2025–26 । दिनाँक 29/04/2026

बेटी के साहस का दिखा असर, मुठभेड़ में दो बदमाश घायल, तीन गिरफ्तार

गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के डांडी चीनी मिल मार्ग पर बुधवार भोर पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हो गए, जबकि कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक बदमाश हाल ही में गोला कस्बे की एक सर्राफा दुकान में हुई लूट की घटना में शामिल थे।जानकारी के अनुसार, पुलिस डाड़ी बाजार से चीनी मिल मार्ग पर वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन संदिग्ध युवक आते दिखे। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें दो बदमाशों के पैर में गोली लग गई और वे घायल होकर गिर पड़े। इसके बाद पुलिस ने तीनों को मौके पर ही दबोच लिया।पुलिस ने मौके से एक कट्टा, दो खोखा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। घायल बदमाशों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मेहंदी हसन और रहमान के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके अलावा तीन अन्य बदमाशों को भी गिरफ्तार करने का दावा किया है।बताया जा रहा है कि सोमवार को गोला कस्बे के वार्ड नंबर–17 स्थित दिव्यांश स्वर्ण कला केंद्र में लूट की वारदात हुई थी। दुकान मालिक रमेश वर्मा किसी पारिवारिक कार्यक्रम के निमंत्रण कार्ड बांटने गए थे। दुकान पर उनकी बेटी अमृता मौजूद थीं। इसी दौरान बदमाश दुकान में घुसे और झुमकों से भरा पैकेट लेकर फरार हो गए।लूट की घटना देख अमृता ने बदमाशों का साहस के साथ पीछा किया और उनसे भिड़ गईं, लेकिन बदमाश हाथ छुड़ाकर फरार हो गए। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी।मुठभेड़ के बाद अमृता ने पुलिस को धन्यवाद देते हुए कहा कि, "ये जेवर मेरी मेहनत की कमाई के थे, इसलिए मैं बदमाशों से भिड़ गई।"पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और जांच के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही थी। बुधवार भोर चेकिंग के दौरान आरोपियों को पकड़ने में सफलता मिली। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

मकान के विवाद में मारा पीटाः एसपी से दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गनेशपुर टोला चौरवा निवासी अशोक कुमार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय राम दुलारे गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर पट्टीदारी में मकान के विवाद को लेकर हुये मारपीट के मामले में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।एसपी को दिये पत्र में अशोक कुमार गुप्ता ने कहा है कि उनके पिता स्वर्गीय राम दुलारे और बडे पिता स्वर्गीय रामफेर दोनों सगे भाईयों ने तीन मंजिला पक्का मकान गनेशपुर टोला चौरवा में बनवाया जहां संयुक्त परिवार निवास करते हैं। दोनों की मृत्यु के बाद भू–तल पर अशोक कुमार गुप्ता का परिवार और ऊपर के मंजिल पर स्वर्गीय रामफेर के परिजन निवास करते हैं। तीसरे तल पर स्वर्गीय रामफेर के पुत्र कृष्ण गोपाल, ओम प्रकाश और धर्मेन्द्र ने जबरिया कब्जा कर लिया है और आये दिन कलह करते हैं। वे जबरिया अशोक कुमार गुप्ता के हिस्से का मकान कब्जा कर लेना चाहते हैं। इसी को लेकर आये दिन विवाद करते हैं। गत 25 अप्रैल को अशोक कुमार गुप्ता का बेटा सत्यम गुप्ता गांव के ही बच्चों को पढा रहा था कि ओम प्रकाश, गोलू उर्फ आर्यन, वशू, काजल, अंजनी सहित स्वर्गीय रामफेर के परिवार के सदस्यों ने मिलकर सत्यम को बुरी तरह से मारा पीटा, किराने की दूकान में तोड़फोड किया और बाहर खड़ी छात्रों की साईकिल को ढकेल दिया। इससे लगभग 20 हजार रूपये का नुकसान हुआ और सत्यम को काफी चोट आयी। घटना की सूचना गनेशपुर चौकी पर दिया गया, पुलिस ने दोनों पक्षों का मेडिकल कराकर शांति भंग के अन्देशे में चालान कर दिया। वाल्टरगंज पुलिस ने घटना की प्राथमिकी दर्ज नहीं किया। उल्टे पुलिस समझाते का दबाव बना रही है। अशोक कुमार गुप्ता का परिवार इससे डरा हुआ है। उसने मामले में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

भीषण गर्मी में पेयजल व्यवस्था पर सख्ती : जिलाधिकारी ने आरओ/वाटर कूलर का किया औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भीषण गर्मी को देखते हुए आम जनता को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी.एन. ने नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर द्वारा स्थापित आरओ/वाटर कूलरों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने हाईडिल तिराहा, बुद्ध विद्यापीठ डिग्री कॉलेज, रोडवेज, हनुमान मंदिर तेतरी बाजार, पेट्रोल पम्प तिराहा एवं साड़ी तिराहा पर लगे आरओ/वाटर कूलरों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान बुद्ध विद्यापीठ डिग्री कॉलेज, पेट्रोल पम्प तिराहा और साड़ी तिराहा पर लगे आरओ/वाटर कूलर बंद पाए गए, जबकि हनुमान मंदिर तेतरी बाजार पर एक टोटी खराब मिली। इस लापरवाही पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर से स्पष्टीकरण तलब किया और निर्देश दिया कि तीन दिवस के भीतर सभी खराब आरओ/वाटर कूलरों को ठीक कराकर चालू कराया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी आरओ/वाटर कूलर बंद नहीं रहना चाहिए। जहां भी तकनीकी खराबी या अन्य कारणों से कूलर बंद हैं, उन्हें शीघ्र दुरुस्त कर संचालित किया जाए, ताकि भीषण गर्मी में आम नागरिकों को आसानी से शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके।

सैनिक बन्धु बैठक में पूर्व सैनिकों की समस्याओं पर हुआ विचार, समाधान के दिए गए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सेवारत एवं सेवानिवृत्त सैनिकों तथा उनके परिजनों की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु सैनिक बन्धु की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भूमि विवाद, पुलिस सहायता, बैंक ऋण, पेंशन, चिकित्सा एवं आर्थिक सहायता तथा नवीन गन लाइसेंस से संबंधित मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक रोहिनी यादव, उपजिलाधिकारी (न्यायिक) शशांक शेखर, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन (आई.एन.) नरेश शर्मा सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में 7 भूतपूर्व सैनिकों व उनके आश्रितों ने भी भाग लिया। बैठक के दौरान एक भूतपूर्व सैनिक द्वारा सोशल मीडिया पर छवि धूमिल करने के मामले में जांच व कार्रवाई हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य से दूरभाष पर वार्ता कर जांच के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त भूतपूर्व हवलदार गिरीश चंद्र पाण्डेय ने अपने पैतृक कृषि भूमि के बंटवारे संबंधी प्रार्थना पत्र दिया, जिस पर उपजिलाधिकारी बांसी को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। वहीं भूतपूर्व नायब सूबेदार जगदम्बिका प्रसाद शर्मा ने 15 अगस्त एवं 26 जनवरी के अवसर पर पूर्व सैनिकों को सम्मानित करने बैठक में पूर्व सैनिकों की

का प्रस्ताव रखा, जिस पर समस्याओं के त्वरित समाधान संबंधित अधिकारियों को पर जोर देते हुए अधिकारियों आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। करने के निर्देश दिए गए।

बांसी की बेटी का सहायक कुलसचिव पद पर चयन, क्षेत्र में हर्ष की लहर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। बांसी क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है कि रतनसेन इंटर कॉलेज, बांसी के पूर्व शिक्षक स्वर्गीय आद्या प्रसाद द्विवेदी की सुपुत्री डॉ. नीलम द्विवेदी का चयन उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय (केंद्रीकृत) सेवा के अंतर्गत सहायक कुलसचिव भर्ती परीक्षा 2024 में अंतिम रूप से हुआ है। यह परीक्षा वर्ष 2023–24 की थी, जिसका साक्षात्कार मार्च 2026 में सम्पन्न हुआ तथा अंतिम परिणाम 28 अप्रैल 2026 को घोषित किया गया। डॉ. नीलम द्विवेदी इससे पूर्व वर्ष 2016 से खांडसारी निरीक्षक पद पर अपनी सेवाएं दे रही थीं। उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से पूरे बांसी क्षेत्र में हर्ष और गर्व का वातावरण है।

उनकी सफलता पर रतनसेन इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य संजय दूबे,रतन सेन महाविद्यालय के प्राचार्य डा. संतोष कुमार सिंह, तिलक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. धर्मेंद्र मिश्र,डा. हंसराज कुशवाहा, सूर्य प्रकाश द्विवेदी, रवि प्रकाश द्विवेदी, समाजसेवी अमय पांडेय, भाजपा नेता सोनू जायसवाल, ग्राम प्रधान अरविंद सिंह, रूपेश कुमार श्रीवास्तव, हरजीत सिंह, विवेक अग्रहरि, अमित श्रीवास्तव, भाजपा नेत्री अनुपमा सिंह दूबे, कृष्ण गोपाल पाण्डेय, अवनीश मिश्र, सौरभ सिंह, अभिषेक श्रीवास्तव सहित अनेक शुभचिंतकों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। डॉ. नीलम द्विवेदी की यह सफलता क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो यह संदेश देती है कि समर्पण, परिश्रम और दृढ़ संकल्प से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

इफको ने कैंप लगाकर किसानों के खेत की मिट्टी का लिया सैंपल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बुधवार को विकास खंड बढ़नी के बी पैक्स

समिति परसा में इफको के द्वारा मृदा परीक्षण अभियान का कार्यक्रम का अयोजन किया गया। यह कार्यक्रम समाज सेवा समिति के अध्यक्ष नरेंद्र बहादुर सिंह के अध्यक्षता में किया गया। मृदा परीक्षण अभियान में 64 किसानों का मृदा नमूना लिया गया। इफको के क्षेत्राधिकारी शिशु पाल ने बताया कि परंपरागत दानेदार उर्वरकों के अधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरक क्षमता धीरे–धीरे कम होती जा रही है। इसके विकल्प के रूप में इफको द्वारा विकसित नैनो उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए, जो सीधे पौधों पर प्रभाव डालते हैं और मृदा पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं छोड़ते साथ ही उत्पादन में भी वृद्धि करते हैं साथ ही साथ तरल कंसोर्टिया के उपयोग व लाभ के बारे में भी बताया गया। इफको एम सी के क्षेत्राधिकारी योगेंद्र कुमार ने किसानों को सब्जी में लगने वाले कीट को नियंत्रण और अच्छी फसल तैयार करने के बारे में जानकारी दी। इसमें किसानों फार्मर रजिस्ट्री करवाने और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दिया गया। इस कार्यक्रम में कृषि ब्लॉक सहायक राम सेवक, गिरजेश मौर्य आदि किसान भी मौजूद रहे।

बुद्ध विद्यापीठ इंटर कॉलेज बर्डपुर में मेधावी छात्र–छात्राओं का हुआ सम्मान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बुद्ध विद्यापीठ इंटर कॉलेज, बर्डपुर में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। हाईस्कूल परीक्षा में आनन्द विश्वकर्मा ने 92.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा दीपांशी पांडेय एवं प्रशांत सहानी (87.50 प्रतिशत), सर्वेश (87.33 प्रतिशत), विपिन

कुमार चौधरी (85.50 प्रतिशत), विनय कुमार चौधरी (85.33 प्रतिशत), रवि एवं सिमरन वर्मा (83.33 प्रतिशत), प्रियांशु कसौधन (83.33 प्रतिशत), अमर सिंह (83 प्रतिशत), राशिका (81.33 प्रतिशत), अदिति गुप्ता (81 प्रतिशत) तथा हर्षवर्धन सिंह (80.17 प्रतिशत) ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इंटरमीडिएट परीक्षा में गणेश प्रजापति ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। वहीं प्रीती शर्मा (82 प्रतिशत), प्रियंका जायसवाल (81.6 प्रतिशत), आकांक्षा सहानी (81 प्रतिशत), उमेश पासवान (80.8 प्रतिशत), आदित्य चौधरी (80 प्रतिशत), शमशाद अहमद (79.6 प्रतिशत), मंजीत मौर्य (79 प्रतिशत), कल्पना पटवा (79 प्रतिशत), खुशी एवं सुनीता यादव (78.8 प्रतिशत) ने भी उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए। प्रधानाचार्य शिवकरन ने सभी मेधावी छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विजय बहादुर वर्मा, रामबचन राम, वशिष्ट नारायण मिश्र, रणवीर सिंह, पूर्णेश्वर मिश्र, जितेंद्र कुमार वर्मा, वीरेन्द्र कुमार, नीरज सिंह, मोती कुमार, नरेंद्र कुमार, शची, शिल्पी कुमारी, गीतांजलि, रवीन्द्र कुमार, कृष्णकांत, अनिल कुमार मिश्र, अबरार अहमद, शाहिद, महेश सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शोहरतगढ़ में सघन चेकिंग के दौरान 72 वाहनों का हुआ चालान

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। बुद्धवार को चेतिया मोड़ के पास शोहरतगढ़–चिल्हिया मार्ग (एनएच–730) पर अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद की मौजूदगी में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट, तीन सवारी बैठाकर चलने वाले, बिना नंबर प्लेट और आवश्यक प्रपत्रों के अभाव में चल रहे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल 72 वाहनों का चालान कर 85 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद ने बताया कि पूरे जनपद में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में चिन्हित चार स्थानों पर नियमित चेकिंग करें। साथ ही संदिग्ध व्यक्तियों एवं कम उम्र के वाहन चालकों पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सके। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के दृष्टिकोण से भी पुलिस सतर्क है और चेन स्नेचिंग जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। इस दौरान इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह, निरीक्षक सुभाष यादव, निरीक्षक अवधेश पांडेय, उपनिरीक्षक संतोष यादव, उपनिरीक्षक रामबदन यादव, हेड कांस्टेबल दिनेश यादव, बलराम गौड़, रामकरन निषाद, अजय कुमार, मदन राय, रामप्रवेश यादव, सतीश सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

गौ रक्षकों ने पीछा करके वध के लिए ले जा रहे गौ तस्करों को पकड़ा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर के पचपेड़वा नगर पंचायत में एक पिकप गाड़ी मंगलवार रात्रि को गोवंशीय पशु को तेजी के साथ लेकर बढ़नी के तरफ जा रहे थे,गौरक्षक रोहित शर्मा और उनकी युवा टीम ने पिकप गाड़ी को रोकने के लिए कहा,लेकिन गो तस्कर गाड़ी की स्पीड बढ़ा दिया ,गौ रक्षकों ने फोन से पुलिस को सूचित करते हुए पिकप गाड़ी का पीछा किया, सूचना पर प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश चौहान थाना पचपेड़वा के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा तत्काल बताये गये स्थान तुलसीपुर–बढ़नी रोड पर चेकिंग शुरु की गई तभी उक्त पिकअप तेजी से आते हुये दिखाई दी जिसे रोकने का प्रयास किया गया तो और तेजी से भगाते हुये वहां पर मौजूद आम जनमानस, ठेला दुकानदार व पुलिस कर्मियो के ऊपर जान से मारने की नियत से अपने वाहन को चढ़ाते हुये निकल कर भागने का प्रयास किया गया, जिसका पीछाकर नई बाजार चौराहा के पास घेराबंदी कर पकड़ लिया गया गया। गिरफ्तार अभियुक्त मुन्ना कुमार यादव और कासिम से कड़ाई से पूछने पर उक्त दोनो व्यक्तियों द्वारा यह बताया गया कि हम लोग गौवंश की तस्करी व गौकशी कर बिहार तथा नेपाल में बेचने के लिये ले जाने हेतु ग्राम डोमनपट्टी थाना खड्डा जिला कुशीनगर उ0प्र0 निवासी सलमान को सप्लाई करते है। सलमान के द्वारा ही पैसा दिया जाता है जानवरों की बिक्री से मिले हुये धन को हम लोग आपस में बांट लेते हैं । आज भी हम लोग गोतस्करी कर बेचने के लिए लिये जा रहे थे कि पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों को जेल भेजा गया।

विजेन्द्र कुमार मण्डल अध्यक्ष, हेमन्त प्रताप महामंत्री घोषित

बस्ती। बुधवार को उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव इन्सपेक्टर्स एसोसिएशन का मण्डलीय अधिवेशन विकास भवन सभागार में संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबन्धक विकास कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में कोआपरेटिव इन्सपेक्टर्स एसोसिएशन की समस्याओं पर वक्ताओं ने विस्तार से प्रकाश डाला और एकजुटता पर जोर दिया। दूसरे चरण में चुनाव अधिकारी अर्जुन पटेल की देख रेख में पदाधिकारियों का चुनाव किया गया। सर्व सम्मत से रमेश चन्द्र कन्नौजिया संरक्षक, विजेन्द्र कुमार यादव मण्डल अध्यक्ष, हेमन्त प्रताप सिंह महामंत्री, अरविन्द झां उपाध्यक्ष, दिलीप कुमार गौतम कोषाध्यक्ष घोषित किये गये। इसी कड़ी में बस्ती जिला इकाई से विजय वर्मा अध्यक्ष, नीरज कन्नौजिया महामंत्री, सिद्धार्थनगर से अमरीश कुमार यादव अध्यक्ष, रामजी गौतम महामंत्री, संतकबीर नगर से रामसजीवन पाण्डेय अध्यक्ष, संजीव कुमार महामंत्री चुने गये।नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पर्यवेक्षक विजय कुमार मिश्र ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाया।संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबन्धक विकास कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में अधिवेशन को सम्बोधित करते हुये कहा कि संघ की अपनी विशेष शक्ति होती है। एकजुटता से ही लक्ष्य हासिल होते हैं। उन्होने नव निर्वाचित पदाधिकारियों से अपेक्षा किया कि वे अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से पालन करें।मण्डलीय अधिवेशन में मुख्य रूप से सुनील कुमार पाण्डेय, राजेश कुमार यादव, विनोद मिश्र, धर्मराज यादव, राजीव लोचन पाठक, विनोद, रामसजीवन पाण्डेय के साथ ही उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव इन्सपेक्टर्स एसोसिएशन के अनेक सदस्य, विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

नहर की पुलिया के नीचे युवक का शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जगदीशपुर राजा टोला कोइलरहा गांव में बुधवार सुबह नहर की पुलिया के नीचे एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर राजा गांव निवासी जसवंत (32) पुत्र शिवकुमार के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। परिजनों के अनुसार, जसवंत मंगलवार शाम करीब 4 बजे घर से सब्जी लेने बाजार जाने की बात कहकर निकला था। देर रात तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। बुधवार सुबह गांव के कुछ लोग भैंस चराने नहर की ओर गए, जहां पुलिया के नीचे शव देखा गया। इसके बाद उन्होंने तुरंत गांव वालों और परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि जसवंत के सिर और नाक पर गंभीर चोट के निशान थे। नाक और सिर से खून बह रहा था और घटनास्थल पर भी खून के छींटे पड़े थे। इन परिस्थितियों को देखते हुए परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतक के पिता शिवकुमार ने आरोप लगाया कि उनके बेटे की हत्या कर शव को वहां फेंका गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सदर मिथिलेश कुमार राय ने बताया कि मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा, जिसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सिद्धार्थनगर में छह ग्राम पंचायतों में करोड़ों के घोटाले के आरोप, जांच टीम गठित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद के नौगढ़ और शोहरतगढ़ विकासखंड की छह ग्राम पंचायतों.रामगढ़, हरदासपुर, टेड़िया, सेमरियाव, रसूलपुर और रामपुर में करोड़ों रुपये के वित्तीय घोटाले के आरोप सामने आए हैं। शिकायतकर्ता अंकित सिंह ने फर्जी बिल–वाउचर, कागजी कार्यवाही और सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को विस्तृत शिकायत सौंपी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने जांच टीम गठित कर दी है। मुख्यालय निवासी अंकित सिंह ने 29 अप्रैल को नोटरी एफिडेविट के साथ साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए यह शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में वर्ष 2022–23 से 2025–26 तक कराए गए कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है। शिकायत के अनुसार, रामगढ़ पंचायत में स्ट्रीट लाइट, सफाई और अन्य कार्यों के नाम पर कई बार अधिक दरों पर भुगतान किया गया है। केवल स्ट्रीट लाइट के नाम पर ही लाखों रुपये के भुगतान को संदिग्ध बताया गया है। बाजार दर से अधिक कीमत दिखाकर भुगतान किए जाने का भी आरोप है। इसी प्रकार हरदासपुर, टेड़िया, सेमरियाव, रसूलपुर और रामपुर पंचायतों में भी स्ट्रीट लाइट, डस्टबिन, आरसीसी बेंच, ईंट आपूर्ति और सफाई कार्यों के नाम पर बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। शिकायत में कहा गया है कि कई मामलों में मौके पर कार्य न होने के बावजूद भुगतान कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि कुछ फर्मों के माध्यम से फर्जी बिल लगाकर सरकारी धन की निकासी की गई। ग्राम प्रधान, सचिव, जेई, बीडीओ और अन्य संबंधित अधिकारियों की मिलीभगत से पूरे घोटाले को अंजाम दिए जाने की बात कही गई है। फिलहाल, जिलाधिकारी द्वारा गठित जांच टीम मामले की जांच में जुट गई है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

कार्यालय : नगर पंचायत- बिस्कोहर, जनपद- सिद्धार्थनगर

ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

नगर पंचायत बिस्कोहर, जनपद–सिद्धार्थनगर में वर्ष 2025–26 हेतु 'सीवरेज जल निकासी योजना' के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्नांकित निर्माण कार्य हेतु नगर पंचायत बिस्कोहर के लिए ठेकेदारों से आनलाइन ई–निविदा प्रतिशत दर पर आमन्त्रित की जाती है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यो हेतु निविदा डाल सकता है। निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी www.etender.up.nic.in पर तथा नगर पंचायत बिस्कोहर कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

A	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशन/अपलोड की तिथि	29.04.2026
B	वेबसाइट से आनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि	29/04/2026 अपराह्न 2.00 बजे से
C	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा डालने की अन्तिम तिथि व समय	16.05.2026 को सायं 3.00 बजे तक
D	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से तकनीकी निविदा खोलने की तिथि व समय	18.05.2026 को अपराह्न 2.00 बजे
E	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से वित्तीय निविदा खोलने की तिथि व समय	18.05.2026 को अपराह्न 4.00 बजे
F	निविदा मूल्य बिक्री की अन्तिम तिथि	15.05.2026 को सायं 03.00 बजे तक
G	ई–निविदा खोलने का स्थान	कार्यालय नगर पंचायत बिस्कोहर

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बिस्कोहर
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
सिद्धार्थनगर

पत्रांक :–44/न०पं०बि0/2025–26 | दिनाँक 29/04/2026

सम्पादकीय

यह भी एक हकीकत है कि नवीनतम प्रशासनिक प्रक्रिया को लेकर जो आशावाद है, वह तभी सार्थक साबित होगा, जब इससे समावेशी विकास, बेहतर शासन और उचित राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित हो पायेगी। वहीं दूसरी ओर सरकार को इस व्यापक परिप्रेक्ष्य को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि लद्दाख चीन सीमा से लगा रणनीतिक महत्व ...

मिले नए जिले मगर अहम मुद्दे अभी बाकी

जम्मू–कश्मीर से अलग होकर नया केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद लद्दाख में जनाकांक्षाओं का जो उफान उठा है, केंद्र सरकार उसकी पूर्ति की दिशा में बढ़ती नजर आ रही है। बीते साल राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल किए जाने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर स्थानीय संगठन आंदोलित नजर आए थे। अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के क्षेत्र के दौरे से पूर्व लद्दाख को पांच नये जिले मिले हैं। लेह और कारगिल के बाद– दो जिलों से बढ़कर सात जिलों तक का यह विस्तार इस पर्वतीय अंचल में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। निश्चित रूप से इस विशाल भू–भाग वाले, लेकिन कम आबादी वाले क्षेत्र में लोगों की सुविधा के लिए इस कदम की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। दरअसल, लद्दाख के नुब्रा, जांस्कर और चांगथांग जैसे दूरदराज के इलाकों में बुनियादी सार्वजनिक सेवाओं तक पहुंच बनाने में स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। यह बाधा सिर्फ भौगोलिक ही नहीं थी, बर्फीले दिनों में स्थिति और अधिक कष्टकारी हो जाती है। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी क्षेत्र में छोटी प्रशासनिक इकाइयां अधिकारियों को जनता के करीब ला सकती हैं। खासकर लद्दाख जैसे जटिल भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी हो जाता है। निस्संदेह, छोटी प्रशासनिक इकाइयों के चलते सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के तुरंत क्रियान्वयन को सुगम बनाने में मदद मिल सकती है। सही मायनों में उपायुक्तों और पुलिस प्रमुखों की त्वरित नियुक्ति, बिना किसी देरी के सुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक उत्साहजनक संकेत कहा जा सकता है। हालांकि, स्थानीय जनप्रतिनिधि संगठन नये जिले बनाने से संतुष्ट होते शायद ही नजर आएं। दरअसल, लद्दाख की चुनौतियां महज नौकरशाही तक ही सीमित नहीं कही जा सकती हैं। सही मायनों में ये राजनीतिक, आर्थिक व पर्यावरणीय भी हैं। वे जनाकांक्षाएं भी इसमें शामिल हैं जो लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद ऊंचे स्तर पर रही हैं। यहां उल्लेखनीय है कि लेह की अस्मिता की रक्षा के लिये आंदोलन चलाने वाले संगठन, मसलन कारगिल लोकतांत्रिक गठबंधन समेत कई स्थानीय समूह, लद्दाख को राज्य का दर्जा दिए जाने और लेह–लद्दाख की संस्कृति की रक्षा के लिये इसे छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। दरअसल, वे इसके लिये संवैधानिक सुरक्षा उपायों को लागू करने का आग्रह करते हैं। इस सप्ताह के अंत तक लद्दाख में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की यात्रा के दौरान स्थानीय संगठन निर्णय स्तर की वार्ता की मांग कर रहे हैं। वे विगत में हुई विभिन्न बैठकों को क्षेत्र के लंबे समय से लंबित मामलों के समाधान के लिये अपर्याप्त बताते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पर्यावरणविद् व शिक्षाविद् सोनम वांगचुक, जिन्हें गत माह केंद्र सरकार ने लगभग छह माह की हिरासत के बाद रिहा किया था, ने भी शाह की यात्रा के दौरान एक रचनात्मक संवाद की जरूरत पर बल दिया है। वैसे राजग के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार गाहे–बगाहे लद्दाख के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराती रही है। हालांकि, एक तथ्य यह भी है कि अभी तक लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची में शामिल करने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर उसका दृष्टिकोण स्पष्ट नहीं है। बहरहाल, क्षेत्र में पर्यटन नियमों में ढील और रोजगार के अवसरों को विस्तार देना जैसे सुधार, लद्दाख की आर्थिकी को गति देने का सार्थक प्रयास जरूर कहा जा सकता है। यह भी एक हकीकत है कि नवीनतम प्रशासनिक प्रक्रिया को लेकर जो आशावाद है, वह तभी सार्थक साबित होगा, जब इससे समावेशी विकास, बेहतर शासन और उचित राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित हो पायेगी। वहीं दूसरी ओर सरकार को इस व्यापक परिप्रेक्ष्य को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि लद्दाख चीन सीमा से लगा रणनीतिक महत्व का क्षेत्र है। इसीलिए यहां शांति बनाये रखना और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाना केंद्र सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। हमें सितंबर, 2025 में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन को एक सबक की तरह लेने की जरूरत है। जिसके मद्देनजर लद्दाखी जनता की आकांक्षाओं को समयबद्ध तरीके से यथाशीघ्र पूरा किया जाना चाहिए।

एआई की चपेट और बाजार की लपेट

साहब जी कल से दूध के पैसे बढ़ा रहा हूं। कल से दूध एआई से प्रमाणित होकर आयेगा। उसमें किस स्वास्थ्यवर्द्धक तत्व का कितना प्रतिशत है, इसकी जांच करने के बाद ही हम लोग आपको दूध सप्लाई करेंगे। आजकल एआई का बहुत हल्ला है। जिस भी प्रोडक्ट को देखो एआई निर्मित नया वर्जन चेप देता है। कल मैं चक्कर में पड़ गया। मेरे दूधवाले ने मुझ से कहा, 'साहब जी कल से दूध के पैसे बढ़ा रहा हूं।' मैंने पूछा क्यों? वह मुस्कुराते हुए बोला, कल से दूध एआई से प्रामाणित होकर आयेगा। उस में किस स्वास्थ्यवर्द्धक तत्व का कितना प्रतिशत है इसकी जांच करने के बाद ही हम लोग आपको दूध सप्लाई करेंगे। वह मुझे अपने तबेले में ले गया। गाय भैंस साफ–सुथरी जगह में एसी की हवा लेती हुई दिखाई दे रही थी। उन सब के कान में एआई का टैग लगा हुआ था। दूधवाले ने अपनी मजबूरी बताई साब, हम इन गाय–भैंस को जो चारा खिलाते हैं, खली, बिनौले, कभी–कभी गुड़–चना और चोकर खिलाते हैं– वे सब एआई से बने होते हैं। बात सही है। अच्छा चारा खिलाओगे तो ये अच्छा दूध देंगी। मैं उसके तर्क का कायल हो गया। वह मजे से बोला, पानी भी एआई से स्वच्छ होकर आता है। हम लोग एआई से बनी मशीन से दूध निकालते हैं। लौटते हुए मैंने अपने पनवाड़ी से पान लगवाया। हमेशा की तरह उसे देने के लिए दस रुपये का नोट निकाला। वह पान चुबलाते हुए बोला, सर जी अब पान चालीस रुपये में मिलेगा। मैंने कहा, 'तुम भी एआई से पान बनाते हो क्या?' पनवाड़ी ने मजबूरी बताई, 'सोच के बताइये हम लोग जर्दा, सुपारी, कत्था, चूना और गुलकंद के साथ अलग–अलग ब्राण्ड के तम्बाकू सब एआई से बनने वाली मशीनों से पैक होकर आ रहे हैं। उनके भाव बढ़ गये हैं। हमने भी अपनी दुकान पर बोर्ड लगा लिया है– एआई पान यहां मिलता है।' अब तक मैंने वह बोर्ड नहीं देखा था। सब्जी मण्डी गया। वहां का भी यही आलम। हर सब्जी एआई का टैग लगी हुई। क्या सभी सब्जियां ऑर्गेनिक हैं? मैं सोच ही रहा था कि एक किनारे पर सकुचाई–सी बूढ़ी माई ने आवाज लगाई, 'बेटा! मेरी सब्जी एआई नहीं है। बेमतलब का अई–आई फाई–फाई मचा रखा है सब ने। मैं तो खुद अपने खेत में घरेलू खाद पानी लगाती हूं। मेरी मानो आज मेरी सब्जी ले जाकर देखो असली स्वाद मिलेगा। मैं ताजा ताजा लेकर आती हूं।' वह मुझे असमंजस में देखकर बोली, 'आज मेरी सब्जी ले जाकर देखो। नहीं स्वाद आए तो पैसे वापस ले जाना।' ये एक–एक हफ्ते की सब्जी कैमिकल लगा के बेच रहे हैं। नकली है सब। लोग पोलीथीन में पैक करके सजावटी मॉल में बेच रहे हैं। फिक्स रेट। हम जैसे गरीब से मोलभाव और बहसबाजी करके लेंगे।' मुझे लौटते हुए यही दिखा ये एआई का खौफ पूरे बाजार और ब्रह्माण्ड को अपनी चपेट में ले रहा है। मुझे शक होने लगा है कि कहीं मैं भी तो अपने किसी हमशक्ल का एआई संस्करण नहीं हूं!

ब्रिटिशकालीन विरासत के नाम बदलने का सवाल

ये क्षेत्र आज भी हरे–भरे बंगलों और शांत वातावरण के लिए जाने जाते हैं। भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर है। सिविल लाइंस जैसे नामों–प्रतीकों को बदलना या हटाना सिर्फ नाम बदलना नहीं, बल्कि मानसिकता को डीकॉलोनाइज करने की दिशा में अहम कदम है। इतिहास भुलाया नहीं जाना चाहिए, बल्कि उसे संग्रहालयों, हेरिटेज वॉक व उचित संरक्षण के जरिये याद रखा जाए ...

भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर है। ऐसे में सिविल लाइंस जैसे नामों–प्रतीकों को बदलना या हटाना सिर्फ नाम बदलना नहीं, बल्कि मानसिकता को डीकॉलोनाइज करने की दिशा में अहम कदम है। हालांकि इतिहास भुलाया नहीं जाना चाहिए, बल्कि उसे संग्रहालयों व उचित संरक्षण के जरिये याद रखा जाए। दिल्ली, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, मेरठ और कई अन्य शहरों में सिविल लाइंस की चौड़ी सड़कें, दोनों तरफ खड़े विशाल और बुजुर्ग पेड़, पुराने गिरजाघर और औपनिवेशिक इमारतें ब्रिटिश राज के विलासी जीवन की याद दिलाते हैं। अब भारत सरकार इन सिविल लाइंस क्षेत्रों से ब्रिटिश काल के प्रतीकों को हटाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। यह कदम वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण रूप से डीकॉलोनाइज्ड बनाने के विजन का हिस्सा है। ये इलाके विशेष रूप से ब्रिटिश सिविलियन अधिकारियों जैसे डिविजनल कमिश्नर, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट आदि के लिए बनाए गए थे, ताकि वे भारतीय 'नेटिव टाउन' से अलग, आरामदेह जीवन व्यतीत कर सकें। 19वीं शताब्दी में विकसित ये 'व्हाइट टाउन' आज भी अनेक शहरों में मौजूद हैं। वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद ब्रिटिशों ने अपनी सुरक्षा और श्रेष्ठता को और मजबूत करने के लिए शहरों को दो हिस्सों में बांट दिया। एक ओर पुरानी, भीड़भाड़ वाली भारतीय बस्तियां, तो दूसरी ओर विस्तृत सड़कें, हरे–भरे बगीचे, बड़े बंगले और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 'सिविल लाइंस'। ये क्षेत्र कैंटोनमेंट से अलग लेकिन निकट थे। यहां ब्रिटिश सिविल सर्वेंट्स, जज, कलेक्टर आदि उच्च

अधिकारी रहते थे। दिल्ली में सिविल लाइंस का इतिहास 1857 से गहराई से जुड़ा है। मुगल राजधानी शाहजहानाबाद (पुरानी दिल्ली) के उत्तर में, यमुना नदी के किनारे बसा यह क्षेत्र ब्रिटिशों का पहला प्रमुख आवासीय केंद्र बना। 1803 में दिल्ली पर कब्जा करने के बाद वे शुरू में कश्मीरी गेट क्षेत्र में रहते थे, लेकिन 1857 के विद्रोह ने सब बदल दिया। विद्रोहियों ने ब्रिटिश बंगलों को आग के हवाले कर दिया। विद्रोह दबाने के बाद अंग्रेजों ने सिविल लाइंस को रणनीतिक रूप से और मजबूत किया। यह क्षेत्र रिज (उत्तर दिल्ली रिज) के पास स्थित था, जो सैन्य दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण था। लुटियंस दिल्ली (नई दिल्ली) बनने तक सिविल लाइंस ही ब्रिटिश प्रशासन का मुख्य केंद्र रहा। आज भी यहां निकोलसन कब्रिस्तान मौजूद है, जो 1857 में स्थापित हुआ। यह कब्रिस्तान ब्रिटिश सैनिकों और अधिकारियों की मौत के बाद बनाया गया था। यहां ब्रिगेडियर जॉन निकोलसन की कब्र है, जो विद्रोह दबाने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले ब्रिटिश अधिकारी थे। इस कब्रिस्तान के पास बना चर्च स्थानीय ईसाई समुदाय के लिए था। यह पूरा इलाका आज भी रहस्यमयी कहानियों और पैरानॉर्मल घटनाओं से जुड़ा माना जाता है। एक अन्य महत्वपूर्ण प्रतीक है कुदसिया बाग। मुगल बादशाह मुहम्मद शाह रंगीला की बेगम कुदसिया द्वारा 1748 में बनाया गया यह चारबाग शैली का सुंदर बगीचा 1857 में ब्रिटिशों द्वारा नष्ट कर दिया गया। बाद में यहां अंग्रेजी शैली का बंगला बनाया गया। हाथी गेट भी यहीं है, जिसे बहादुर शाह जफर ने बनवाया था। मोटी दीवारों वाला यह गेट ब्रिटिश काल में सिविल लाइंस की सीमा बन गया। मैडंस होटल (अब ओबेरॉय मैडंस) दिल्ली के सिविल लाइंस का एक शानदार नमूना है। यह हेरिटेज होटल सफेद इमारत, पुरानी लॉबी और स्विमिंग पूल के साथ औपनिवेशिक वास्तुकला का जीवंत उदाहरण है। अलीपुर रोड पर स्थित पुराना सेक्रेटेरिएट भवन, जिसमें 19 ब्रिटिश गवर्नर जनरल (वायसरॉय) कार्यरत रहे, आज इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वीमेन बन चुका है। मेटकाफ हाउस भी सर थॉमस मेटकाफ का निवास था। ये सभी इमारतें ब्रिटिश शासन की सत्ता और प्रतिष्ठा के प्रतीक थीं। प्रयागराज का सिविल लाइंस सबसे प्रसिद्ध है। वर्ष 1858 के बाद कमिश्नर कथबर्ट बेंसली थॉर्नहिल ने इसे 'कैनिंगटन' नाम से विकसित किया। ग्रिड पैटर्न वाली सड़कें, ब्रिटिश बंगले, एंग्लिकन चर्च, थिएटर और सोशल क्लब इसे एक मॉडल बनाते थे। ब्रिटिश काल के प्रतीक इन क्षेत्रों में मुख्य रूप से वास्तुकला के जरिये जीवित हैं। इधर मिलते हैं विक्टोरियन और एडवर्डियन शैली के बंगले, जो भारत की जलवायु के अनुकूल बरामदों और ऊंची छतों के साथ बने थे। स्वतंत्रता के बाद अधिकांश मूर्तियां हटा दी गईं, लेकिन नाम और इमारतें बनी रहीं। आजादी के बाद सिविल लाइंस धीरे–धीरे भारतीयों के लिए भी खुले। आज ये क्षेत्र मिश्रित हैं। सरकारी बंगले, कॉलेज, होटल और व्यावसायिक इमारतें यहां मौजूद हैं। लेकिन 'सिविल लाइंस' नाम अभी भी औपनिवेशिक विरासत को जीवित रखे हुए है। सिविल लाइंस ब्रिटिश राज में विकास के साथ–साथ शोषण और अलगाव की नीति के गवाह हैं। दिल्ली का सिविल लाइंस 1857 की क्रांति के बाद ब्रिटिश पुनर्स्थापना का प्रतीक बना, जबकि प्रयागराज का मॉडल अन्य शहरों के लिए मिसाल साबित हुआ।

आया राम–गया राम की संस्कृति और संवैधानिक पाप

राजनीति की जनतांत्रिक व्यवस्था में मतदाता अथवा प्रतिनिधि चुनकर विधानसभा या संसद में भेजते हैं। उनके चुनाव का आधार सिर्फ व्यक्ति–विशेष ही नहीं होता, मतदान उस विचार के पक्ष–विपक्ष में भी होता है जिसे जानने–मानने का दावा राजनीतिक दल करते हैं। क्या दल–बदल करने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों का यह दायित्व नहीं होना चाहिए कि वह उस मतदाता को भी विश्वास में लें जिसने उन्हें चुना है?...

क्या दल–बदल करने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों का यह दायित्व नहीं होना चाहिए कि वह उस मतदाता को भी विश्वास में लें जिसने उन्हें चुना है? कोई कानून इस आशय का भी बनना चाहिए जो मतदाता के 'अधिकार' को संज्ञान में ले। कुछ ऐसी व्यवस्था भी है, जो यह निर्धारित करे कि दल–बदल करने वाले निर्वाचित व्यक्ति को अपने मतदाता से भी पहले पूछना पड़े। लगभग साठ साल पुराना किस्सा है, जिसे भारतीय राजनीति के संदर्भ में चटखारे ले–लेकर सुना–सुनाया जाता है। हरियाणा विधानसभा में एक विधायक थे गया लाल। कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते थे वे। एक दिन अचानक उन्हें इलहाम हुआ कि अब कांग्रेस पार्टी उनके अनुकूल नहीं है। वे कांग्रेस पार्टी छोड़कर जनता पार्टी के साथ जुड़ गये। कुछ घंटे बाद उन्हें लगा उनका यह निर्णय सही नहीं है। वे फिर अपने घर यानी कांग्रेस पार्टी में लौट आये। फिर अचानक उनके ज्ञान–चक्षु खुल गये, उन्हें समझ आया कि उनका सवेरे वाला निर्णय ही सही था। वे कांग्रेस से फिर जनता पार्टी में चले गये। एक ही दिन में तीन बार अपनी पार्टी बदलकर इन विधायकजी ने भारतीय राजनीति को एक नया मंत्र भी दे दिया और यह भी समझा दिया कि 'जनता की सेवा करने के लिए' राजनीति में इस तरह के निर्णय लेने पड़ते हैं! पर उनके अपने साथी यह मानने को तैयार नहीं थे कि किसी राजनेता को जनता की सेवा के लिए पार्टी बदलनी जरूरी लग

सकती है। वे यह मानते थे कि इस तरह के निर्णय अपने व्यक्तिगत स्वार्थों के चलते नेता लोग लेते हैं। गया लाल नामक उन विधायक जी के नाम पर देश की राजनीति को एक मंत्र मिल गया– आया राम, गया राम! साठ साल पहले शुरू हुई राजनीतिक स्वार्थ की यह प्रवृत्ति तब एक अपवाद थी, अब यह जैसे आम बात है। नवीनतम उदाहरण कल तक 'आम आदमी पार्टी' के प्रखर नेता कहलाने वाले सांसद राघव चड्ढा का है। आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में थे राघव चड्ढा। पार्टी के कोषाध्यक्ष भी रह चुके थे। पार्टी ने उन्हें राज्यसभा की सदस्यता भी दी। फिर उनके ज्ञान–चक्षु खुल गये। उन्हें लगा जिस भारतीय जनता पार्टी को वे 'अनपढ़ गुंडों की पार्टी' मानते थे वह वास्तव में भारतीयों की सच्ची सेवा करने वाली पार्टी है और उन्होंने घोषणा कर दी कि वह आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम रहे हैं। यह इलहाम अकेले राघव चड्ढा को ही नहीं हुआ, वे अपने साथ आम आदमी पार्टी के छह सांसदों को भी ले गये। राज्यसभा के सभापति ने बिना कुछ देर किये इन्हें सदन में भाजपा के सदस्य के रूप में मान्यता भी दे दी है। राघव चड्ढा की पुरानी पार्टी यदि चाहे तो वह 'अपने सदस्यों' को इस कार्रवाई और भाजपा में उनके 'विलय' को चुनौती दे सकती है। पर दल–बदलुओं का अबतक का इतिहास तो यही बताता है कि भले ही उच्चतम न्यायालय दल–बदल की इस प्रक्रिया को 'संवैधानिक पाप' की संज्ञा दे दे, पर इन कथित पापियों को कोई सजा मिलती नहीं! 'दलबदलुओं' को सजा देने की कोशिशों में एक कोशिश दल–बदल के खिलाफ कानून बनाना भी था। वर्ष 1985 में देश की संसद में एक संशोधन पारित कर के दल–बदल की इस लगातार बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने के लिए कदम उठाये गये। तय हुआ कि पार्टी के दो तिहाई सदस्य मिलकर यदि किसी दूसरी पार्टी में शामिल होते हैं, तभी इसे 'विलय' माना जायेगा, अन्यथा ऐसा करने वाले नेता की सदस्यता निरस्त मानी जायेगी। पर पेच यह रह गया कि दो–तिहाई संख्या पार्टी की या संसदीय दल की? इसमें एक गांठ यह भी है कि विलय का निर्णय सदन का पीठासीन अधिकारी करता है। इसका मतलब यह है कि सदस्य जब चाहे सत्तारूढ़ पार्टी का 'आया राम' बन सकता है। सवाल यह उठता है कि कोई आया राम या गया राम क्यों अपनी मूल पार्टी छोड़कर किसी अन्य पार्टी में शामिल होता है? क्या सचमुच यह कोई नीतिगत निर्णय होता है या फिर इसके पीछे राजनीतिक स्वार्थ होते हैं? भारत के दल–बदलुओं का इतिहास बताता है कि लगभग शत प्रतिशत राजनीतिक स्वार्थ होता है। अक्सर इस आशय के आरोप भी लगते हैं कि अपने अपराधों के पाप धोने, या फिर सत्तारूढ़ दल के हितों को दृष्टि में रखकर भी 'आयाराम गयाराम' का यह खेल होता है। यह खेल खेलने वालों की आधिकारिक संख्या बतानी तो मुश्किल है, पर ज्ञात तथ्यों के अनुसार 1985 में दल–बदल विरोधी कानून लागू होने के बाद से अब तक सैकड़ों सांसद और विधायक दल–बदल चुके हैं। कहते हैं कानून बनने से पहले 1967 से 1971 के बीच लगभग 50 प्रतिशत विधायकों ने अपनी पार्टी बदली थी, इसे 'आयाराम, गयाराम' की राजनीति कहा गया। मार्च 2024 तक की रिपोर्ट के अनुसार दसवीं अनुसूची के तहत कम से कम सात प्रमुख अवसरों पर सदस्यों पर कार्रवाई हुई है। सन 2022 में हमने महाराष्ट्र और गोवा में दल–बदल का यह 'खेला' देखा, इससे दो साल पहले मणिपुर के तीन विधायकों को अयोग्य ठहराया गया था। और अब यह आम आदमी पार्टी का मामला सामने है। निश्चित रूप से यह सारे मामले इस बात की पुष्टि करते हैं कि हमारी राजनीति में सिद्धांतों और नीतियों के लिए जगह लगातार कम होती जा रही है। कमी विधायक या सांसद अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए ऐसा कदम उठाता है और कमी राजनीतिक दल (पढ़िए सत्तारूढ़ पक्ष) अपने स्वार्थ सिद्ध करने के लिए दूसरे दलों के सदस्यों को अपने साथ जुड़ने के लिए बाध्य करता है। स्वार्थ के इसी खेल के संदर्भ में अक्सर यह आरोप लगते हैं कि सत्तारूढ़ दल ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स विभाग आदि का डर दिखाकर अपने हित साधता है। इस तरह के आरोपों की पुष्टि आसान नहीं होती। लेकिन विपक्ष के इस आरोप की जांच तो होनी ही चाहिए कि दल–बदल करने वाले राजनेताओं के विरुद्ध चल रहे मामले अचानक कहीं खो क्यों जाते हैं या फिर अक्सर ऐसी कार्रवाई के बाद ही कोई राजनेता आयाराम गयाराम क्यों बन जाता है?

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हार मुंबई इंडियंस को कर देगी प्लेऑफ से बाहर, यहां समझे पूरा समीकरण

आईपीएल 2026 धीरे–धीरे अपने आखिरी पड़ाव की तरफ बढ़ रहा है। अभी तक इस टूर्नामेंट में 40 मुकाबले खेले जा चुके हैं। वहीं इस दौरान कई टीमें प्लेऑफ में पहुंचने के करीब है तो कई टीमें संघर्ष कर रही हैं। आईपीएल इतिहास की सबसे सफल टीमों में एक मुंबई इंडियंस भी मुश्किल स्थिति में है। हार्दिक पंड्या एंड टीम 7 में से 2 ही मैच जीते और 5 हारे हैं। आज मुंबई इंडियंस का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद के साथ वानखेड़े में है। मुंबई इंडियंस के 4 अंक हैं और नेट रन रेट –0.736 का है। पिछले 5 में से 4 मैचों में हार के बाद मुंबई अंक तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गई है। मुंबई की गेंदबाजी कमजोर नजर आ रही है हालांकि, पिछले मुकाबले में बल्लेबाजों ने शर्मनाक प्रदर्शन किया था। पूरी टीम महज 104 रन पर ही सिमट गई थी। अगर आज जीतना है तो मुंबई के गेंदबाजों को प्रदर्शन करना होगा नहीं तो हैदराबाद के बल्लेबाज अपनी बेहतरीन फॉर्म में हैं। वहीं नियमित कप्तान पैट कमिंस की भी वापसी हो चुकी है। 2023 से मुंबई इंडियंस वानखेड़े में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ कोई मैच नहीं हारी है, तीनों मैच में मुंबई इंडियंस ने जीत दर्ज की है। हेड टू हेड की बात करें तो दोनों के बीच अभी तक कुल 25 मैच खेले गए हैं। 10 बार हैदराबाद और 15 बार मुंबई ने जीत दर्ज की है।

MI का प्लेऑफ में पहुंचने का समीकरण

मुंबई इंडियंस को आने वाले 7 मैच खेलने हैं। सभी में जीती तो भी वह ज्यादातर 18 अंक ही हासिल कर पाएगी। इससे टीम प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। अभी जो समीकरण बन रहा है उसके अनुसार प्लेऑफ में जाने की संभावना को बनाए रखने के लिए कम से कम 16 अंक तक पहुंचना होगा यानी मुंबई को 7 में से कम से कम 6 मैच जीतने होंगे। इसका मतलब है कि, आज का मैच हारने के बाद भी मुंबई प्लेऑफ की दौड़ से बाहर तो नहीं होगी, लेकिन उनकी मुश्किल बढ़ जाएगी क्योंकि फिर उन्हें हर मैच जीतना होगा।

पाकिस्तान के नए टेस्ट कोच बने सरफराज अहमद ,कहा- तकनीक बाद में, पहले भरोसा जरूरी

पाकिस्तान की टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच सरफराज अहमद ने बुधवार को कहा कि एक सफल कोच बनने के लिए खिलाड़ियों के साथ आपसी भरोसा और स्पष्ट संवाद बहुत जरूरी है। चौंपियन्स ट्रॉफी 2017 जीतने वाले कप्तान सरफराज की पहली श्रृंखला आठ मई से बांग्लादेश में होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला होगी। यह आईसीसी विश्व टेस्ट चौंपियनशिप चक्र में पाकिस्तान की दूसरी श्रृंखला है। कोच के तौर पर अपने कम अनुभव के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में सरफराज ने कहा, ''तकनीकी बातें बाद में आती हैं। जरूरी यह है कि एक कोच का अपने खिलाड़ियों के साथ ऐसा रिश्ता हो कि वे समझ सकें कि वह क्या चाहता है और साथ ही वे इतने सहज हों और उस पर इतना भरोसा करते हों कि उसके साथ बैठकर किसी भी चीज पर बात कर सकें।''

बांग्लादेश दौरे के लिए टेस्ट टीम में चुने गए अधिकतर खिलाड़ी अभी पाकिस्तान सुपर लीग के आखिरी चरण में खेलने में व्यस्त हैं। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने माना कि एक महीने से अधिक समय तक टी20 क्रिकेट खेलने के बाद लाल गेंद के क्रिकेट में ढलना सीनियर खिलाड़ियों के लिए भी एक चुनौती होगी। सरफराज को यह भी लगता है कि टेस्ट टीम के कुछ खिलाड़ियों के साथ खेलने और उनकी कप्तानी करने का अनुभव उन्हें अपनी नई नौकरी में जमने में मददगार साबित होगा। पिछले साल इस पूर्व कप्तान को पाकिस्तान अंडर–19 और शाहीन (पाकिस्तान ए) टीम का मार्गदर्शक (मेंटर) और मैनेजर बनाया गया था। वह एशिया कप और विश्व युवा कप के लिए उनके साथ गए थे लेकिन स्वदेश लौटने पर उन्हें राष्ट्रीय चयन समिति का सदस्य और बाद में टेस्ट प्रारूप में मुख्य कोच नियुक्त किया गया।

सरफराज ने कहा, ''मेरा क्रिकेट करियर बहुत अच्छा रहा है और मैं एक कोच के तौर पर भी वैसी ही सफलता दोहराना चाहता हूं। मैंने घरेलू स्तर पर और क्रिकेट अकादमी में कोचिंग का कुछ अनुभव हासिल किया है लेकिन जाहिर है कि टेस्ट क्रिकेट बहुत अलग होता है। मुझे पूरा भरोसा है कि समय के साथ यह अनुभव मेरे बहुत काम आएगा।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर यशस्वी जायसवाल के मुंह से निकला सच, जानें क्या कहा?

राजस्थान रॉयल्स के लिए वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल की जोड़ी आईपीएल 2026 में सनसनी मचा रही है। जहां जायसवाल 24 साल के हैं वहीं वैभव सूर्यवंशी उनसे दस साल छोटे हैं। वहीं यशस्वी ने अपनी उम्र को लेकर दिलचस्प जवाब दिया है। साथ ही ओपनिंग पार्टनर सूर्यवंशी को लेकर उनकी जुबां से सच निकला। 15 वर्षीय सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से महफिल लूट रहे हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ भी तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 16 गेंदों में 43 रन बटोरे। मैच के बाद यशस्वी जायसवाल से प्रेजेंटेशन के दौरान पूछा गया कि, बड़ा पार्टनर होने कैसा लगता है? उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि, मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत जवान हूं। लेकिन हां वैभव सूर्यवंशी काफी छोटा है। सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि इस बारे में क्या कहूं। उन्होंने सूर्यवंशी के साथ बैटिंग करने पर कहा कि, ये अमेजिंग है। मुझे उसके साथ बैटिंग करने में बहुत मजा आता है। वह कमाल का खेल रहा है। मैं हमेशा दूसरे छोर से देखकर खुश होता हूं कि वह बॉल को कैसे हिट कर रहा है। सूर्यवंशी और यशस्वी ने पंजाब के खिलाफ 3.1 ओवर में 50 रनों की साझेदारी पूरी की। मजबूत शुरुआत से पंजाब पर दबाव बढ़ा था। डेनोवन फरेरा और शुभम दुबे ने पांचवें विकेट के लिए 77 रनों की अटूट साझेदारी कर राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाई। फिलहाल, वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में मौजूद समय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने अभिषेक शर्मा से ऑरेंज कैप छीन ली हैं। वह आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की रेस में टॉप पर पहुंच गए हैं। सूर्यवंशी के खाते में 9 मैचों में 400 रन हैं। सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा अभिषेक ने आठ मैचों में 380 रन जुटाए हैं। आरआर 6 जीते और तीन हार के बाद अंक तालिका में तीसरे नंबर पर है।

पुतिन का चौंकाने वाला फैसला, रेड स्क्वायर की Victory Day Parade में क्यों नहीं दिखेंगे रूसी टैंक ?

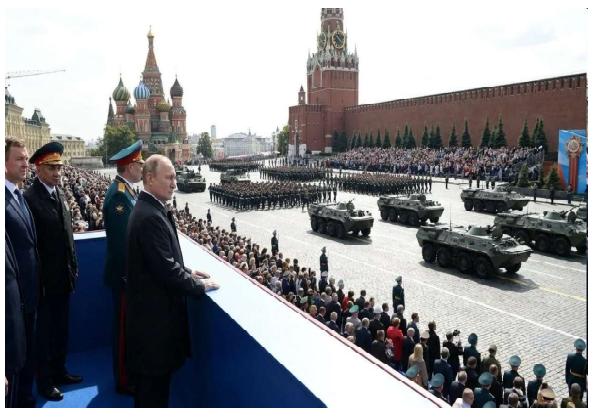

नाजी जर्मनी की हार की 81वीं वर्षगांठ पर रूस में होने वाली पारंपरिक विजय परेड में इस साल सैन्य साजो सामान का प्रदर्शन नहीं होगा। रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। यह 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण शुरू करने के बाद पहली बार होगा जब नौ मई को मास्को के रेड स्क्वायर पर सैन्य साजो सामान का प्रदर्शन नहीं होगा। यह दिन रूस के लिए उत्सव के समान होता है, जब वह अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करता है। मंत्रालय के बयान में सैन्य साजो सामान के काफिले और कैडेट को परेड से बाहर रखने का कारण ''वर्तमान अभियानगत स्थिति'' बताया गया है। बयान में इसका विस्तृत विवरण नहीं दिया गया। मंत्रालय ने बताया कि परेड में ''विभिन्न उच्च सैन्य शिक्षण संस्थानों के कैडेट और रूसी सशस्त्र बलों की विभिन्न शाखाओं के कुछ सैनिक'' शामिल होंगे। इसके साथ ही पारंपरिक सैन्य विमानों की उड़ानें भी होंगी। पिछले साल की परेड रूस द्वारा यूक्रेन में सेना भेजे जाने के बाद से अब तक की सबसे बड़ी परेड थी, जिसमें कई देशों के नेता मास्को पहुंचे थे। इनमें चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको जैसे प्रमुख अतिथि शामिल थे। पिछले साल की परेड में 11,500 से अधिक सैनिक शामिल थे और 180 से ज्यादा सैन्य वाहन प्रदर्शित किए गए थे। इनमें टैंक, बख्तरबंद सैन्य वाहन और तोपखाने शामिल थे, जिनका यूक्रेन के युद्धक्षेत्र में इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा यार्स परमाणु–सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चर और ड्रोन भी प्रदर्शित किए गए थे। रेड स्क्वायर के ऊपर लड़ाकू विमानों ने भी उड़ान भरी थी। पुतिन ने सात मई से 72 घंटे के एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की है। यूक्रेनी ड्रोन हमलों को रोकने के प्रयास में अधिकारियों ने कई दिनों तक मास्को में सेलफोन इंटरनेट को अवरुद्ध कर दिया। वर्ष 2023 में यह परेड अपेक्षाकृत सीमित स्तर पर आयोजित की गई थी, जिसमें कम संख्या में सैनिक और सैन्य उपकरण प्रदर्शित किए गए थे।

जिंटा की टीम जीती क्या ? सलमान खान के पुराने ट्वीट पर त्त का बयान, डोनोवन फरेरा ने कहा– सॉरी भाई, आज नहीं

आईपीएल 2026 का 40वां मैच जीतने के बाद राजस्थान रॉयल्स ने सलमान खान के पुराने ट्वीट का मेजदार जवाब दिया है। दरअसल, मुल्लापुर में पंजाब किंग्स को रॉयल्स ने 6 विकेट से हरा दिया। जीत के बाद राजस्थान ने सोशल मीडिया पर क्रिकेटर डोनोवन फरेरा का एक वीडियो पोस्ट किया। इसके साथ ही सलमान का साल 2014 का पुराना ट्वीट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने पूछा था कि, क्या जिंटा की टीम जीती? ये ट्वीट प्रीति जिंटा की टीम के संदर्भ में था। जिसका जवाब देते हुए डोनोवन फरेरा ने कहा कि सॉरी भाई, आज नहीं।

पत्रकार हत्याकांड 22 माह बीता, नहीं मिला न्याय

जौनपुर।जनपद में चर्चित पत्रकार हत्याकांड के 22 माह बीत जाने के बाद भी पीड़ित परिवार को न्याय और सुरक्षा के लिए दर–दर भटकना पड़ रहा है। हैरानी की बात यह है कि मामले के सभी आरोपी जमानत पर जेल से रिहा हो चुके हैं, जबकि अपनी सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस मांग रहे परिवार की फाइलें अब भी दफ्तरों में धूल फांक रही हैं। थाना शाहगंज क्षेत्र के सबरहद गांव निवासी पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद से ही परिवार दहशत में जी रहा है। मृतक के बड़े भाई संतोष श्रीवास्तव और उनके परिजनों ने अपनी जान–माल की सुरक्षा के लिए शस्त्र लाइसेंस हेतु आवेदन किया था। संतोष श्रीवास्तव ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर अपनी पीड़ा साझा की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर लाइसेंस के लिए आवेदन किया गया था। संबंधित विभाग द्वारा जांच व निरीक्षण की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई, लेकिन इसके बावजूद आज तक लाइसेंस जारी नहीं किया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि फाइलें विभिन्न स्तरों पर लंबित पड़ी हैं और बार–बार कार्यालयों के चक्कर लगाने के बावजूद कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा है। इस वजह से परिवार को लगातार मानसिक तनाव और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है।संतोष श्रीवास्तव ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मामले की

कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता सिंचाई निर्माण खण्ड, सिद्धार्थनगर

पत्रांकः–/ सिनिखसि / निविदा/2026–27/दिनांक 22.04.2026

ई–टेण्डरिंग के माध्यम से आमंत्रित अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या– 01 / ई0ई / 2026–27

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्री–क्वालीफिकेशन टेक्निकल बिड एवं प्राईस–बिड / फाइनेन्शियल बिड, सिंचाई विभाग में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 02.05.2026 को पूर्वान्ह 10:00 बजे से दिनांक 08.05.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। प्री–क्वालीफिकेशन टेक्निकल बिड दिनांक 08.05.2026 को अपरान्ह 03:00 बजे अधिशासी अभियन्ता, सिचाई निर्माण खण्ड, सिद्धार्थनगर के कार्यालय में निर्धारित समिति द्वारा ऑनलाइन खोली जायेगी एवं प्री–क्वालीफिकेशन बिड में उपयुक्त पाये गये निविदादाताओं के प्राइस–बिड / फाइनेन्शियल बिड खोलने की तिथि कुल प्राप्त निविदाओं की संख्या के आधार पर ई–पोर्टल पर सूचित किया जायेगा। कार्यालय बन्द होने या छुट्टी होने की दशा में यह बिड अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्यों का विवरण	मात्रा	धरोहर धनराशि (EMD) (लाख रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य+जी0एस0टी0 स्टेशनरी चर्जा	पंजीकृत श्रेण
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद सिद्धार्थनगर में राप्ती नदी के दायें तट पर स्थित बांसी पनघटिया बाध के किमी. 15.740 से किमी. 15.940 के मध्य नदी के बायीं किनारे पर चौनेलाइजेशन का कार्य।	बिल आफ क्लांटिटी के अनुसार	0.20	15 दिवस	300+54+500	सी अथवा उच्च
2	ज्नपद सिद्धार्थनगर में राप्ती नदी के दायें तट पर स्थित बांसी पनघटिया बाध के किमी. 20.550 से किमी. 20.730 के मध्य नदी के बायीं किनारे पर चौनेलाइजेशन का कार्य।	बिल आफ क्लांटिटी के अनुसार	0.20	15 दिवस	300+54+500	सी अथवा उच्च

यह निविदा / बिड सूचना उ०प्र० सरकार की वेबसाइट http://up.gov.in तथा सिंचाई विभाग की वेबसाइट http://idup.gov.in पर भी उपलब्ध है।

कर्मवीर सिंह
अधीक्षण अभियन्ता
बस्ती वृत्त, लो0नि0वि0,
बस्ती

www.upgov.nic.in upid-r.o. 250579 I 28/04/2026

क्यों खास है किंग चार्ल्स का दिया Royal Gift? Trump को भेंट की उनके ही नाम वाली पनडुब्बी की घंटी

द्वितीय विश्वयुद्ध के समय की ब्रिटेन में बनी पनडुब्बी 'एचएमएस ट्रंप' से संबंधित मूल घंटी इस सप्ताह राजकीय यात्रा के दौरान महाराजा चार्ल्स तृतीय द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भेंट किए गए उपहारों का मुख्य आकर्षण रही।

मंगलवार को व्हाइट हाउस में आयोजित राजकीय रात्रिभोज में 77 वर्षीय महाराजा ने ''निजी उपहार'' के रूप में यह घंटी भेंट की और इस दौरान मजाकिया अंदाज में बात की। ट्रंप उपहार से स्पष्ट रूप से प्रभावित दिखे और उन्होंने कार्यक्रम में चार्ल्स की ''शानदार'' कहकर प्रशंसा की। चार्ल्स ने अपने संबोधान में कहा, ''आज, नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) और एयूक्यूस (ऑस्ट्रेलिया–ब्रिटेन–अमेरिका गठबंधन) में हमारी साझेदारी हमारे प्रौद्योगिकी और सैन्य सहयोग को गहरा करती है तथा यह सुनिश्चित करती है कि हम मिलकर तेजी से जटिल और प्रतिस्पर्धी दुनिया की चुनौतियों का सामना कर सकें।'' उन्होंने संबंधित घंटी का जिक्र करते हुए कहा, ''...तो आज रात, राष्ट्रपति महोदय, मुझे आपको व्यक्तिगत उपहार के रूप में वह मूल घंटी भेंट करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है जो आपके साहसी नामधारी (एचएमएस ट्रंप) के युद्धक टॉवर पर लगी थी। यह हमारे राष्ट्रों के साझा इतिहास और उज्ज्वल भविष्य की गवाही देती रहे। और यदि कभी आपको हमसे संपर्क करने की आवश्यकता हो, तो बस घंटी बजा दीजिएगा।''

इस दौरान हंसी के ठहाके गूंजने लगे। सार्वजनिक रूप से उपहार देने की यह घटना इससे पूर्व बंद कमरे में हुए आदान–प्रदान के बाद हुई, जब बकिंघम पैलेस ने कहा कि ब्रिटेन के महाराजा ने अमेरिकी राष्ट्रपति को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में स्थित प्रतिष्ठित डेस्क के 1879 के 'डिजाइन प्लान' की एक फ्रेम की हुई प्रतिकृति भेंट की – जिसकी मूल प्रतियां लंदन के ग्रीनविच में स्थित राष्ट्रीय समुद्री संग्रहालय में रखी हैं। लंदन में जारी किए गए ऐतिहासिक विवरण के अनुसार, 'रेसोल्यूट डेस्क' का निर्माण ब्रिटिश अन्वेषण पोत 'एचएमएस रेसोल्यूट' की लकड़ियों से किया गया था। बकिंघम पैलेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति और प्रथम महिला से बदले में प्राप्त उपहारों का विवरण भी दिया।

विद्यालय प्रबंधन अभिभावकों पर किसी एक निर्धारित दुकान से पुस्तकें, कॉपियां या यूनिफॉर्म खरीदने का न बनाऐ दबाव-डीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में जिला शुल्क नियामक समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के विभिन्न विद्यालयों द्वारा लिए जा रहे शुल्क,नियमों के अनुपालन तथा अभिभावकों से संबंधित शिकायतों की गहन समीक्षा की गई। डीएम ने बैठक के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी विद्यालय प्रबंधन छात्र-छात्राओं अथवा उनके अभिभावकों पर किसी एक निर्धारित दुकान से पुस्तकें, कॉपियां या यूनिफॉर्म खरीदने का दबाव नहीं बनाएगा।उन्होंने कहा कि इस प्रकार की बाध्यता पूरी तरह अवैध है और इसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विद्यालयों को निर्देशित किया कि वे पारदर्शिता बनाए रखें और अभिभावकों के हितों का विशेष

ध्यान रखें।डीएम ने यह भी कहा कि विद्यालय प्रबंधन द्वारा वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रमों, उत्सवों या अन्य गतिविधियों के नाम पर अभिभावकों से किसी प्रकार की अवैध वसूली नहीं की जाएगी।यदि किसी विद्यालय के खिलाफ इस प्रकार की शिकायत प्राप्त होती है,तो संबंधित विद्यालय एवं उसके प्रबंधन के विरुद्ध शासन द्वारा निर्धारित नियमों के अंतर्गत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि विद्यालय द्वारा लिए जाने वाले प्रत्येक शुल्क की विधिवत रसीद अभिभावकों को देना अनिवार्य होगा, जिससे शुल्क संबंधी पारदर्शिता बनी रहे। इसके अतिरिक्त डीएम ने यह स्पष्ट किया कि जनपद के विद्यालय प्रत्येक वर्ष अनावश्यक रूप से यूनिफॉर्म, पुस्तकें एवं कॉपियां बदलने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएं।ऐसा करना अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालता है,जो स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालयों की नियमित जांच की जाए तथा यदि कहीं भी नियमों का उल्लंघन पाया जाए, तो तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्रवाई की जाए।बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों ने भी अपने विचार रखे और नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन का आश्वासन दिया।डीएम ने बैठक में कहा कि प्रशासन अभिभावकों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिए हैं कि विकासखंडवार सभी विद्यालयों के लिए नोडल अधिकारी नामित करें और नोडल अधिकारियों द्वारा विद्यालयों की रेंडम जांच कराई जाए। बैठक के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक डॉक्टर रामचंद्र, खण्ड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय रामखेलावन सिंह सहित अन्य सभी संबंधित विभाग के अधिकारीगण एवं समिति के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग योजना से जुड़ें, पाए रोजगार ऑनलाइन आवेदन शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की पहल की जा रही है।योजना का उद्देश्य गांव स्तर पर रोजगार सृजन कर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।इस योजना के अंतर्गत 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के इच्छुक युवक-युवतियां अपने गांव में उद्योग स्थापित करने के लिए अधिकतम 10 लाख रुपये तक का ऋण प्राप्त कर सकते हैं। सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को परियोजना लागत पर मात्र 4 प्रतिशत ब्याज देना होगा, जबकि महिला एवं आरक्षित वर्ग के लाभार्थियों को ब्याजमुक्त ऋण की सुविधा प्रदान की जाएगी।इच्छुक अभ्यर्थी योजना के ई-पोर्टल उउहतलींकप. नचेकब.हवअ.पद पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, शैक्षिक व तकनीकी योग्यता प्रमाण पत्र, जाति/निवास प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट और नमूना हस्ताक्षर अपलोड करना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन के बाद उसकी हार्ड कॉपी जिला ग्रामोद्योग कार्यालय में जमा करनी होगी।प्राप्त आवेदनों का चयन स्कोर कार्ड के आधार पर किया जाएगा तथा चयनित आवेदनों को बैंक के माध्यम से वित्तपोषण के लिए अग्रसारित किया जाएगा।जिला ग्रामोद्योग कार्यालय ने जनपद के बेरोजगार युवाओं से अपील की है कि वे इस योजना का लाभ उठाकर स्वरोजगार अपनाएं और प्रदेश के विकास में सहभागी बनें।अधिक जानकारी के लिए कार्य दिवस में जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, 122 राजा मोहल्ला,गोन्डा या दूरभाष संख्या 9580503142 पर संपर्क किया जा सकता है।

भव्य समारोह में प्लाईवुड प्रतिष्ठान का उद्घाटन, क्षेत्रीय विकास की जताई उम्मीद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। विकास खंड तेजवापुर अंतर्गत रमपुरवा चौकी के निकट बुधवार को ब्लॉक

प्रमुख प्रतिनिधि रमाकर पांडेय के नवीन प्लाईवुड प्रतिष्ठान का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महसी विधायक सुरेश्वर सिंह ने फीता काटकर प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया। उद्घाटन अवसर पर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों की भारी उपस्थिति रही, जिससे आयोजन में खासा उत्साह देखने को मिला। मुख्य अतिथि सुरेश्वर सिंह ने प्रतिष्ठान संचालक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के व्यावसायिक प्रतिष्ठान न केवल स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करते हैं, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि यह प्रतिष्ठान क्षेत्रवासियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। कार्यक्रम में नानपारा चीनी मिल के डायरेक्टर अखंड प्रताप सिंह 'गोलू', बीडीओ सुरेश प्रसाद गौतम, संतराम पांडेय, दिवाकर पांडेय, अरुणेंद्र सिंह 'अंकित', मंडल अध्यक्ष विद्याधर वाजपेई, रिंकू मिश्र, वागीश शुक्ला, केसरी नंदन गौड़, पंकज सिंह, नितेश अवस्थी एवं हर्षित अवस्थी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अंत में अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा प्रतिष्ठान की उज्ज्वल सफलता की कामना की गई।

बिजली संकट को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन, एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

फखरपुर/बहराइच। फखरपुर क्षेत्र में लंबे समय से जारी बिजली कटौती के विरोध में सैकड़ों ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर उपखंड अधिकारी (एसडीओ) को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मांग की कि निर्धारित रोस्टर के अनुसार कम से कम 18 घंटे नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। ग्रामीणों ने बताया कि अनियमित बिजली आपूर्ति के कारण खेती-किसानी, बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। भीषण गर्मी के बीच हालात और भी गंभीर हो गए हैं, जिससे लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

शिक्षकों का 2 मई को डीआईओएस कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (शर्मा गुट) के बैनर तले जिले के शिक्षक 2 मई को जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय, गेंदघर पर धरना-प्रदर्शन करेंगे। संगठन के जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम प्रदेशीय नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2 मई को दोपहर एक बजे डीआईओएस कार्यालय के समक्ष शिक्षक एकत्र होकर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन करेंगे। शिक्षकों की प्रमुख मांगों में नई पेंशन योजना (एनपीएस) का समुचित

रखरखाव और पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली शामिल है। इसके अलावा अन्य लंबित समस्याओं को भी उठाया जाएगा। जिलाध्यक्ष ने बताया कि धरना-प्रदर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से भेजा जाएगा। उन्होंने जिले के सभी माध्यमिक शिक्षकों से निर्धारित समय पर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। संगठन का कहना है कि लंबे समय से लंबित मांगों पर ध्यान न दिए जाने के कारण शिक्षकों में नाराजगी है, जिसके चलते अब आंदोलन का रास्ता अपनाया जा रहा है।

नगर पंचायत पचपेड़वा द्वारा विकास के नाम पर नहरों का अस्तित्व समाप्त किए जाने पर किसान चिंतित

दैनिक बुद्ध का संदेश

पचपेड़वा। नई बाजार चित्तौड़गढ़ जलाशय से निकली पुरानी नहर का अस्तित्व समाप्त किए जाने पर किसान चिंतित हैं, नगर पंचायत पचपेड़वा द्वारा बिना एन ओ सी लिए नहरों को समाप्त कर नाली और सड़क बनाया जा रहा है जिससे किसानों को नहरों से पानी मिलना भविष्य में संकट हो जाएगा, नगर पंचायत के ठेकेदार राजा खान ने बताया कि हम टेंडर से बनवा रहे हैं।अधिशाषी अभियंता चित्तौड़गढ़ अखिलेश सिंह ने बताया कि बिना एन ओ सी के बन रहा है नगर पंचायत पचपेड़वा को जिलेदार द्वारा नोटिस दिया गया है। बता दे पचपेड़वा जगदीशपुर रेलवे पार करके नगर में एक किमी नई बाजार से गांधी आश्रम, बुद्धू होटल होते हुए बरगदवा सैफ जाने वाली नहर में ये पुरानी नहर मिलती है, जिसका अस्तित्व समाप्त होने के कगार पर है, बुद्धू होटल के पास नहर पर नगर पंचायत पचपेड़वा द्वारा सार्वजनिक शौचालय बनवा दिया गया है, वही किसान नेता हनुमान प्रसाद ने कहा कि किसान सिंचाई के लिए नहरों पर निर्भर है जब उनका वजूद खत्म हो जाएगा तो किसानों को पानी कहा से मिलेगा।

प्रतिसार निरीक्षक द्वारा अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन,65 पुलिसकर्मी हुए प्रशिक्षित-एसपी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद मे गर्मी को देखते हुए आग लगने की सम्भावना या आग लगने के स्थान पर त्वरित बचाव कार्य व सुरक्षा समय पर पुलिस विभाग भी दे सके इसके लिए गोन्डा एसपी विनीत जायसवाल द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन,गोन्डा परिसर में अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन के संबंध में एक व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस प्रशिक्षण का संचालन प्रतिसार निरीक्षक अजय प्रताप सिंह द्वारा किया गया,जिसमें कुल 65 पुलिसकर्मियों को अग्नि दुर्घटनाओं से निपटने एवं बचाव के तरीकों के बारे में प्रशिक्षित किया गया।प्रशिक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों को गैस सिलेंडर में आग लगने की स्थिति में

त्वरित एवं सुरक्षित नियंत्रण के उपायों का व्यावहारिक प्रदर्शन कर बताया गया।साथ ही आग लगने के कारणों,उससे बचाव के उपायों तथा आपातकालीन परिस्थितियों में सतर्कता एवं त्वरित प्रतिक्रिया के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई।प्रतिसार निरीक्षक द्वारा बताया गया कि आग लगने की घटनाओं में घबराने के बजाय सूझबूझ से कार्य करते हुए सही तकनीक अपनाना अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने उपस्थित पुलिसकर्मियों को फायर सेफ्टी उपकरणों के सही उपयोग एवं प्राथमिक अग्निशमन उपायों का अभ्यास भी कराया। इस अवसर पर उपस्थित पुलिसकर्मियों ने प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी करते हुए विभिन्न परिस्थितियों में आग पर नियंत्रण पाने के तरीकों का अभ्यास किया।प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस बल को आपातकालीन स्थितियों के प्रति अधिक सक्षम एवं सजग बनाना है,जिससे किसी भी अप्रत्याशित घटना में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की जा सके। अंत में प्रतिसार निरीक्षक द्वारा सभी प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु निर्देशित किया गया।

पदाधिकारियों, सदस्यों में किया परिचय-पत्र का वितरण

बस्ती। बुधवार को प्रेस क्लब सभागार में समारोहपूर्वक श्रमजीवी पत्रकार यूनियन उ.प्र. के जिला पदाधिकारियों, सदस्यों में परिचय-पत्र का वितरण किया गया। प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गोंड ने कहा कि श्रम जीवी पत्रकार यूनियन स्थानीय, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकार हितां के लिये निरन्तर संघर्षरत है।

जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि पहचान और विश्वसनीयता के लिये परिचय पत्र आवश्यक है। उन्होने कहा कि पदाधिकारी और सदस्य अपना परिचय पत्र सदैव साथ रखें। अति शीघ्र पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कराया जायेगा।परिचय-पत्र वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग', राजेश कुमार पाण्डेय, अनूप मिश्र, राकेश गिरी, रितिक कुमार, अमर सोनी, अजय कुमार श्रीवास्तव, जितेन्द्र कुमार, अनिल कुमार पाण्डेय, सरताज आलम, कपीश मिश्र, बजरंग प्रसाद शुक्ल, मो. कलीम, राकेश त्रिपाठी, लवकुश सिंह, अरूण कुमार, अखिलेश यादव आदि उपस्थित रहे।

बहराइच में बड़ा अभियानः पशु-पक्षियों के लिए पानी की किल्लत दूर करने की पहल तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। भीषण गर्मी के बीच जिले में जल संकट से निपटने के लिए प्रशासन ने व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी और मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) सुनील कुमार धनवंता के निर्देश पर जनपद भर में अमृत सरोवरों और पारंपरिक तालाबों को भरने का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। प्रशासन द्वारा सूखे पड़े तालाबों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पानी से भरा जा रहा है। इसके लिए पम्पसेट और स्थानीय संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है, साथ ही ग्राम स्तर पर जनसहभागिता भी सुनिश्चित की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य न केवल आम नागरिकों को राहत देना है, बल्कि मवेशियों और पक्षियों के लिए भी पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। यह अभियान बलहा, कैसरगंज, पयागपुर, फखरपुर, रिसिया, शिवपुर, तेजवापुर और विशेश्वरगंज क्षेत्रों में विशेष रूप से संचालित किया जा रहा है।

अब तक लगभग 59 ग्राम पंचायतों में अमृत सरोवरों को सफलतापूर्वक पानी से भर दिया गया है। जिला प्रशासन का स्पष्ट कहना है कि गर्मी के इस मौसम में किसी भी व्यक्ति या जीव को पानी के अभाव का सामना नहीं करना पड़ेगा। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे अपने आसपास के जल स्रोतों की देखभाल करें, पानी की बर्बादी रोकें और इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

"बेटे की कामयाबी ने बदल दिया पिता का वह क्षण"

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। कभी-कभी जिंदगी ऐसे दृश्य रच देती है, जो दर्द, संघर्ष और गर्वकृतीनों भावनाओं को एक ही पल में समेट लेते हैं। ऐसा ही एक भावुक कर देने वाला पल सामने आया था, जिसमें एक पिता का अपमान उसी क्षण बेटे की सफलता से सम्मान में बदल गया। जनपद बहराइच के पयागपुर निवासी नीतीश तिवारी ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (न्च ब्ै 2022) परीक्षा में सफलता प्राप्त कर डिप्टी एसपी (ब्ै) का पद हासिल किया। उनकी सफलता की कहानी जितनी प्रेरणादायक है, उतनी ही भावुक भी। बताया जाता है कि जिस समय परीक्षा परिणाम घोषित हुआ, उसी दौरान उनके पिता किसी जरूरी कार्य से थाने

पर पहुंचे थे। वहां मौजूद लोगों ने कुर्सियां खाली होने के बावजूद उन्हें बैठने के लिए नहीं कहा। ऐसे में वे थाने के बाहर पड़े एक पत्थर पर बैठ गए थे। यह दृश्य एक आम आदमी की उपेक्षा और बेबसी को दर्शा रहा था। इसी बीच उनके मोबाइल फोन की घंटी बजी। स्क्रीन पर बेटे नीतीश तिवारी का नाम देखकर उन्होंने फोन उठाया। उधर से जैसे ही आवाज आईकृ"पापा, मैं ब्ै बन गया", यह सुनते ही पिता भावुक हो उठे। उनकी आंखों से आंसू बह निकले, लेकिन इस बार ये आंसू अपमान के नहीं, बल्कि गर्व और खुशी के थे। जिस पत्थर पर वे बैठे थे, वही पल उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि का साक्षी बन गया। यह क्षण वर्षों की मेहनत, त्याग और संघर्ष का परिणाम था, जिसने एक साधारण परिवार के सपनों को साकार कर दिया। वर्तमान में नीतीश तिवारी अंबेडकरनगर में डिप्टी एसपी के पद पर कार्यरत हैं। अपनी सादगी, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा के कारण वे न केवल कानून व्यवस्था संभाल रहे हैं, बल्कि आम लोगों के बीच भी अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। यह कहानी उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो विपरीत परिस्थितियों में हार मानने की सोचते हैं। यह संदेश देती है कि यदि इरादे मजबूत हों और मेहनत सच्ची हो, तो संघर्ष ही एक दिन सफलता की सबसे बड़ी सीढ़ी बन जाता है।

गर्मी से जंग में मानवता की जीत, समिति ने राहगीरों को दी ठंडे पानी की सौगात

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बढ़ती गर्मी और लू के प्रकोप के बीच राहगीरों को राहत देने के उद्देश्य से श्री बालाजी समिति द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। मंगलवार को घंटाघर परिसर के बाहर समिति द्वारा स्थापित धर्मार्थ पियाऊ का विधिवत उद्घाटन पयागपुर के राजा यशवेंद्र विक्रम सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर राजा यशवेंद्र विक्रम सिंह ने समिति के सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि समिति का यह प्रयास न केवल मानवीय संवेदनाओं का उदाहरण है, बल्कि सैकड़ों

राहगीरों के लिए बड़ी राहत साबित होगा। उद्घाटन समारोह में श्री बालाजी समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। समिति के सदस्यों ने जानकारी दी कि यह पियाऊ पूरे ग्रीष्मकाल तक संचालित रहेगा, जहां राहगीरों को शुद्ध और शीतल पेयजल निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए समिति के प्रति आभार व्यक्त किया और इसे समाजहित में एक प्रेरणादायक कदम बताया।

मेडिकल कालेज में विद्युत आपूर्ति से सम्बन्धित समस्या होने पर तत्काल निराकरण करें–जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बुधवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज लोढ़ी का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एल0–1 एवं एल0–2 अस्पतालों में भर्ती मरीजों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं तथा उपचार व्यवस्था के संबंध में संबंधित चिकित्सकों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी द्वारा मेडिकल कॉलेज परिसर में साफ–सफाई की व्यवस्था को और बेहतर बनाने हेतु निर्देशित किया गया, उन्होंने कहा कि स्वच्छता में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही उन्होंने अधिशासी अभियंता (विद्युत) को निर्देशित करते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज परिसर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाये व मेडिकल कालेज में विद्युत आपूर्ति से सम्बन्धित किसी प्रकार की समस्या होने पर उसका तत्काल निराकरण किया जाये, उन्होंने चेतावनी दी कि विद्युत आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा आने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान अधिशासी अभियन्ता विद्युत द्वारा बताया गया कि मेडिकल कॉलेज हेतु एक नया फीडर तैयार किया गया है, जो शीघ्र ही संचालन में आ जाएगा। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों द्वारा नर्सिंग स्टाफ एवं डॉक्टरों की कमी की समस्या से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया, इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि इस संबंध में उच्च स्तर पर पत्राचार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, ताकि स्टाफ की कमी को शीघ्र दूर किया जा सके। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि मेडिकल कॉलेज में आने वाले सभी मरीजों को शासन की मंशा के अनुरूप निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए, उन्होंने कहा कि किसी भी मरीज को इलाज में अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पूजा यादव नामक मरीज के परिजन से मोबाइल पर वार्ता कर ब्लड जॉच की रिपोर्ट समय से प्राप्त होने के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की जिस पर सम्बन्धित मरीज द्वारा समय से रिपोर्ट मिलने की पुष्टि की गयी। इस दौरान जिलाधिकारी ऑक्सीजन प्लान्ट का जायजा लिये और सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 पंकज राय, डॉ0 सुधीर प्रभारी प्रधानाचार्य मेडिकल कालेज, डॉ0 डी0के0 सिंह सी0एम0एस0, डॉ0 अमृत राय, डॉ0 अवनीश शाह, डॉ0 प्रशान्त शुक्ला, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में एक आदिवासी व्यक्ति की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जुगैल थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुडारी के खजुर हिया टोला स्थित महेंद्र कोल के झोपड़ी के बगल में रोड के उत्तर साइड पटरी के बगल में एक शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान बल्लू कोल पुत्र पिआरे कोल उम्र 26 वर्ष के रूप में हुई। घटना लगभग 12रू00 बजे रात का बताया जा रही है,घटना की जानकारी स्थानीय लोगों के द्वारा पुलिस को दी गई,मौके पर पीआरबी 112 ,जुगैल थाना प्रभारी शिव प्रताप वर्मा ओबरा क्षेत्राधिकारी अमित कुमार सिंह मय फोर्स के साथ मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर मर्चरी हाउस के लिए रवाना कर दिया,क्षेत्रा अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के घर वालों से बात किया गया तो कोई आपसी रंजीश नहीं है और हम लोग उसकी हर एंगल से जांच कर रहे हैं अपराधी को शीघ्र ही पकड़ लिया जाएगा जहां मौत हुई है बगल में झोपड़ी के पास में ब्लड गिरा हुआ है झोपड़ी में रहने वाले उसी बिरादरी के लोग हैं मौके से भाग गये मृतक के सर में गंभीर चोटे आई है आशंका कुलहाडी या किसी धारदार हथियार से वार किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही मौत के कारण का स्पष्ट पता चल पाएगा।

दुपट्टे से लटकता मिला महिला का शव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। कोन थाना क्षेत्र के कुड़वा गांव के टोला तुमिया में बुधवार की सुबह करीब सात बजे संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला का शव उसके कच्चे के घर में दुपट्टे से लटकता देखा गया जिसके बाद आस पास के लोगों द्वारा घटना की जानकारी पुलिस को दी गई,वही सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई कर महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और पुलिस के द्वारा घटना की जांच की जा रही है ।मिली जानकारी के अनुसार मृतक महिला आरती देवी उम्र लगभग 30 अपने दो छोटे बच्चों छ वर्षीय अनुष्का और तीन वर्षीय .ष्णा के साथ अकेली रहती थी और उसका पति प्रदीप गिरी गुजरात में रहकर मजदूरी का काम करता है जिसे घटना की जानकारी दे दी गई है।वही मृतका की मौत की खबर सुनते ही उसके मायके के लोग भी मौके पर उसके घर पहुंचे है, मृतका महिला का मायके दुद्धी थाना क्षेत्र के रन्नू गांव में है।

पीड़ित को वापस कराए 35,348/– रुपये

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन ऋषभ रुणवाल के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय के पर्यवेक्षण में साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना दुद्धी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।आवेदक अलाउदीन पुत्र अहुर अंसारी निवासी वार्ड नं0–09, कस्बा दुद्धी, थाना दुद्धी जनपद सोनभद्र के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर न्च के माध्यम से घ्35,348/– की साइबर ठगी की गई थी। उक्त संबंध में पीड़ित द्वारा छब्ब्ट पोर्टल पर शिकायत पंजी.त कराई गई थी। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए थाना दुद्धी की साइबर टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए तथा संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर ठगी की गई धनराशि को होल्ड कराया गया। तत्पश्चात माननीय न्यायालय से धनराशि वापसी का आदेश प्राप्त कराते हुए घ्35,348/– की संपूर्ण धनराशि सफलतापूर्वक आवेदक के बैंक खाते में वापस कराई गई। धनराशि प्राप्त होने पर आवेदक द्वारा पुलिस टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भूरी–भूरी प्रशंसा की गई।

खेसरहा ब्लॉक में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के शिक्षकों की बैठक आयोजित, उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा। ब्लॉक खेसरहा में आज विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) से संबंधित शिक्षकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी श्री नीरज कुमार सिंह ने की। बैठक के दौरान शिक्षकों द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शैक्षिक प्रगति, उनकी जरूरतों एवं उन्हें दी जा रही सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। खंड शिक्षा अधिकारी ने बच्चों के सर्वांगीण विकास, उचित सहयोग और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने समावेशी शिक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया। बैठक में नए नामांकन तथा कक्षा 5 उत्तीर्ण छात्रों के कक्षा 6 में नामांकन की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि कक्षा 5 से 6 में सभी बच्चों का शत–प्रतिशत नामांकन हो चुका है, जिसे संतोषजनक और सराहनीय बताया गया। हालांकि, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की उपस्थिति केवल 65 प्रतिशत पाई गई, जिस पर खंड शिक्षा अधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। इसे अत्यंत असंतोषजनक बताते हुए उन्होंने तत्काल शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लक्ष्य पूरे न होने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह भी बताया गया कि वर्तमान में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का कुल 29 नामांकन है, जिसे प्राथमिकता के आधार पर बढ़ाकर शत–प्रतिशत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में श्री राम, श्री प्रमोद कुमार गोस्वामी, श्री सतेंद्र चौधरी एवं श्री राम मंगल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। अंत में सभी शिक्षकों से अपेक्षा की गई कि वे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के प्रति संवेदनशीलता रखते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

स्कूलों व आंगनबाड़ी केंद्रों का खंड विकास अधिकारी ने किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर विकास खंड के विभिन्न स्कूलों और पंचायत भवन,के साथ आंगनवानी केंद्रों का। खंड विकास अधिकारी दिनेश कुमार मिश्र ने निरीक्षण किया इस के दौरान कुंडाडीह, रासपहाड़ी और रनटोला गांवों में कई व्यवस्थागत कमियां सामने आईं, जिससे शिक्षा और पोषण सेवाओं की स्थिति पर सवाल खड़े हो गए हैं। कुंडाडीह में आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति भले ही भवन और मूलभूत सुविधाओं के लिहाज से ठीक पाई गई, लेकिन बच्चों की उपस्थिति बेहद कम रही। एक केंद्र पर निरीक्षण के समय केवल एक बच्चा मौजूद मिला। ग्रामीणों ने जल आपूर्ति की समस्या भी बताई, जहां नल जल योजना के तहत पानी नियमित रूप से नहीं पहुंच रहा है। प्राथमिक विद्यालय कुंडाडीह–2 में प्रधानाध्यापक के बिना सूचना अनुपस्थित रहने का मामला सामने आया। विद्यालय में मात्र एक छात्र की उपस्थिति दर्ज की गई, जबकि एक दिन पहले 86 बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन बनाया गया था। रासपहाड़ी के उच्च प्राथमिक विद्यालय में 126 पंजी.त छात्रों के सापेक्ष केवल 17 छात्र उपस्थित मिले। वहीं आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की अनुपस्थिति और पेयजल की कमी गंभीर समस्या के रूप में सामने आई। रनटोला में भी विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्रों में कर्मचारियों की अनुपस्थिति दर्ज की गई। निरीक्षण के बाद संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि पाई गई कमियों को शीघ्र दूर कर व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित करें। यह निरीक्षण ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा व पोषण योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति को उजागर करता है।

ओबरा पी जी कॉलेज में हुआ एक दिवसीय सेमीनार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा के वाणिज्य विभाग में बुधवार को विद्यार्थियों के शैक्षणिक कौशल को निखारने के उद्देश्य से अच्छी सर्वेक्षण शोध परियोजना रिपोर्ट कैसे लिखें नमक विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रमोद कुमार की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर विकास कुमार ने तकनीकी सत्र का संचालन करते हुए व्यावहारिक जानकारी देते हुए बताया कि एक सर्वे रिसर्च प्रोजेक्ट कैसे बनाया जाता है।उन्होंने डेटा कलेक्शन, प्रश्नावली तैयार करने और रिपोर्ट की रूपरेखा तैयार करने की चरणबद्ध प्रक्रिया समझाई। आयोजन सचिवअसिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विभा पाण्डेय ने शोध की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अकादमिक और व्यावहारिक क्षेत्र में सही शोध किस प्रकार नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। इसी क्रम में वाणिज्य विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ संघमित्रा ने सर्वे के दौरान होने वाली सामान्य गलतियों और गुणवत्तापूर्ण शोध रिपोर्ट लिखने के उन्नत तरीकों पर प्रकाश डाला। छात्रों के प्रोत्साहन के लिए इस सेमिनार में निरूशुल्क पंजीकरण की व्यवस्था की गई थी।यह सेमिनार विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास और भविष्य में शोध कार्यों के प्रति उनकी रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

विद्यालय के टॉपर्स विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। करमा विकासखंड स्थित हंस वाहिनी इंटर कॉलेज कसया में बुधवार को बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्.ष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिकाओं ने स्कूल टॉपर्स छात्राओं को मिठाई खिलाकर उन्हें मेडल प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 में हाईस्कूल की आंशिका मौर्या ने 90.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान,वहीं प्रतिमा मौर्या ने 90.6 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय तथा शीतल राव ने 85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान पर रही। विद्यालय के प्रधानाचार्य उमाकांत मिश्र ने बताया कि विद्यालय का हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम 92 प्रतिशत एवं इंटर का 93 प्रतिशत रहा,जो विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और विद्यार्थियों की मेहनत को दर्शाता है। विशेष बात यह रही कि 80 प्रतिशत छात्र–छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने टॉपर्स विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने सभी सफल छात्र–छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यालय निरंतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है और छात्राओं की यह उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। मेहनत,लगन और सही दिशा में किए गए प्रयास से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक राजेंद्र प्रसाद पाण्डेय, सुमन, चंद्रकांत मिश्र, संतोष कुमार, डा मनोज कुमार, ऋषिकेश लाल, कमलेश मौर्य, सतीश यादव, वसीम अकरम, शैलमती सिंह आदि उपस्थित रहें।

हाइटेंशन लाइन की चपेट में आया, युवक मौके पर हुई दर्दनाक मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर थाना क्षेत्र के क़स्बे के लिलासी मोड़ पर बुधवार को दोपहर करीब 12 बजे मकान की छत पर टीन सेड लगा रहे मिस्त्री की हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई।मृतक की पहचान 24 वर्षीय जफर उर्फ सुहैल पुत्र नसीम अहमद निवासी म्योरपुर के रूप में हुई।मिली जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर जफर म्योरपुर के लिलासी मोड़ स्थित एक प्राइवेट डाक्टर के घर की छत पर टीन सेड लगा रहा था उसके साथ गांव का ही एक युवक बंशी भी काम कर रहा था।छत के उपर 11 हजार का हाइटेंशन लाइन गुजरा है।उस दौरान बिजली आपूर्ति चालू थी।काम करने के दौरान युवक हाइटेंशन लाइन की चपेट में आकर 20 फीट नीचे जमीन पर गिर पड़ा।साथ में काम कर रहा बंशी युवक यह देख मकान मालिक को बुलाया। तुरंत निजी वाहन से युवक को सीएचसी म्योरपुर में भर्ती कराया गया जहां उपस्थित चिकित्सक डा० पल्लवी सिन्हा ने जांच के बाद मृत लाया घोषित कर दिया।उधर मृतक के परिजनों ने मकान मालिक पर लापरवाही पूर्वक काम कराने का आरोप लगाते हुए म्योरपुर थाने में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। मृतक के पिता ने थाने में दिए तहरीर में बताया कि मकान मालिक ने घर से उसके लड़के को काम कराने ले गया था जबकि मेरा लड़का वहां जाने को तैयार नहीं था। वहीं सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ के बाद पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम हेतु दुद्धी भेज कर आगे की कार्यवाही में जुट गई।इस संबंध में थाना प्रभारी रविकांत मिश्रा ने बताया कि लिखित शिकायत मिली है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।आगे की कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक द्वारा जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं का संवेदनशील श्रवण, त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित 'जनसुनवाई/जनता दर्शन' कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

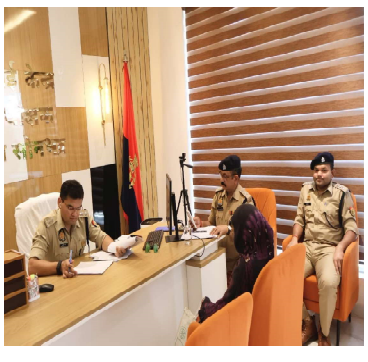

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

रवि बाबू की फिल्म रेजर का ट्रेलर रिलीज

पारंपरिक कहानियों को तोड़कर रचनात्मक सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए मशहूर रवि बाबू अपनी अब तक की सबसे दमदार फिल्म रेजर के साथ वापसी कर रहे हैं। सुरेश बाबू के सुरेश प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत और फ्लाइंग फ्रॉग्स द्वारा निर्मित यह एक्शन थ्रिलर 8 मई को वैश्विक सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। रिलीज की तारीख नजदीक आने के साथ ही, निर्माताओं ने आज रेजर का आधिकारिक ट्रेलर जारी किया है, जो एक रोमांचक और अप्रत्याशित अनुभव का वादा करता है। रवि बाबू की फिल्म रेजर का ट्रेलर भय और टूटे हुए मन से प्रेरित एक अंधेरे, मनोवैज्ञानिक संसार को दर्शाता है, जो फिल्म को 8 मई को रिलीज होने वाली एक रोमांचक फिल्म के रूप में प्रस्तुत करता है।

ट्रेलर में रवि बाबू एक डॉग ग्रूमर से रक्षक बने व्यक्ति की भूमिका में नजर आते हैं, जो एक युवा लड़की को लगातार खतरे से बचाते हुए अपनी सीमाओं को पार कर जाता है। जब मौत लगातार पीछा करने लगती है और बचना नामुमकिन हो जाता है, तो रक्षक देवदूत विनाश के दूत में बदल जाता है, कहानी का सार यही है। दया गायब हो जाती है और झिझक मिट जाती है, बस शुद्ध, बेरोक क्रोध ही रह जाता है। जिसे वह प्रिय मानता है, उसकी रक्षा के लिए, रोष, क्रोध, अराजकता और नरसंहार मिलकर रेजर को जन्म देते हैं। यह एक ऐसा किरदार है जिसमें तीव्र तीव्रता और भावनात्मक गहराई दोनों की आवश्यकता होती है, और रवि बाबू इस द्वंद्व को सहजता से निभाते हैं।

लेखक–निर्देशक के तौर पर, रवि बाबू ने रेजर में अपनी खास अंदाज वाली अप्रत्याशितता को एक ज्यादा सुलभ और दिलचस्प कहानी कहने के तरीके के साथ मिलाया है। तकनीकी मोर्चे पर, यह फिल्म चरण माधवननी की शानदार सिनेमैटोग्राफी की वजह से सबसे अलग दिखती है, जो फिल्म के गंभीर और बेचौन कर देने वाले माहौल को बखूबी दिखाती है। एसएस राजेश का दमदार बैकग्राउंड स्कोर तनाव को और बढ़ा देता है, जबकि सतीश पोलोजू की जबरदस्त एक्शन कोरियोग्राफी ट्रेलर में दिखाए गए क्रूर और लगातार चलने वाले एक्शन दृश्यों को पर्दे पर उतारती है। फिल्म के बेहतरीन प्रोडक्शन मूल्य रेजर के रोमांचक और बेकाबू माहौल को और भी ज्यादा असरदार बनाते हैं, जिससे यह इस गर्मी में सुरेश प्रोडक्शंस की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में से एक बन गई है।

रेजर का थिएट्रिकल ट्रेलर दर्शकों में जबरदस्त उत्सुकता जगाता है और इस फिल्म को एक हाई–वोल्टेज, रोंगटे खड़े कर देने वाली थ्रिलर के तौर पर पेश करता है, जिसे 8 मई को जरूर देखा जाना चाहिए। दमदार अभिनय, क्रूर एक्शन और एक गहरे मनोवैज्ञानिक पहलू के साथ, रवि बाबू की रेजर का मकसद पर्दे पर एक जबरदस्त तहलका मचाना है। सुरेश प्रोडक्शंस और फ्ध्लाइंग फ्ध्रॉग्स के सहयोग से बनी यह जबरदस्त एक्शन थ्रिलर, उन दर्शकों के लिए एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है जो तेलुगू सिनेमा में कुछ नया और लीक से हटकर देखना चाहते हैं।

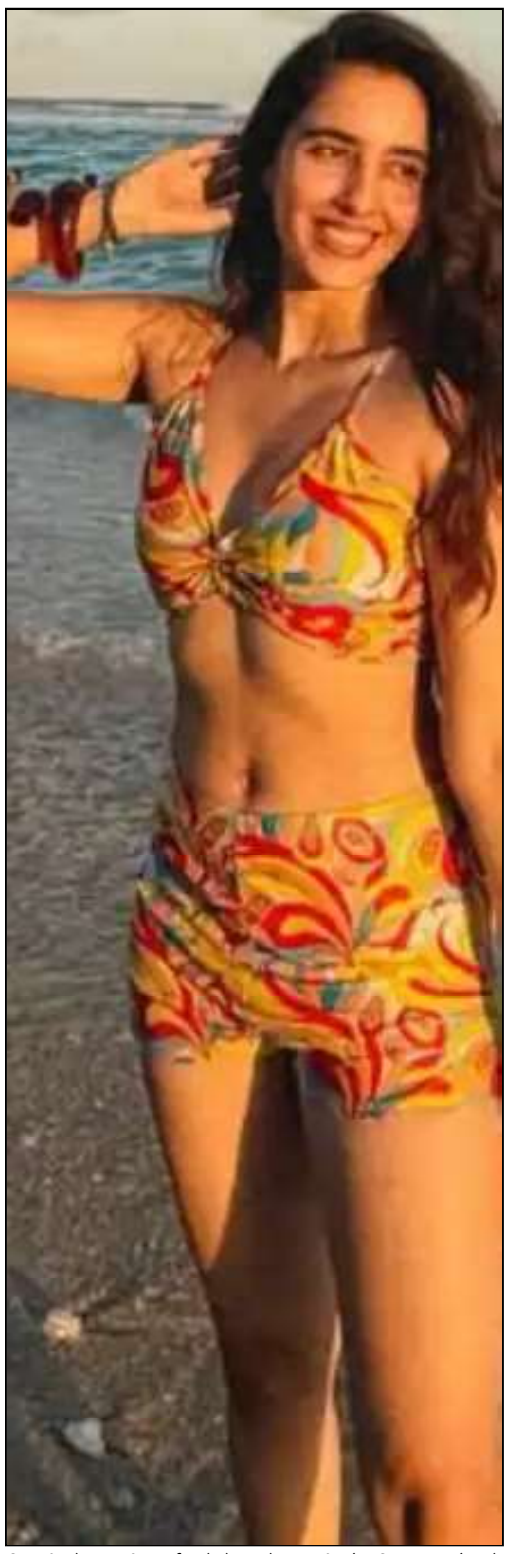

प्रेग्नेंसी में भी फुल ऑन एक्शन करती दिखेंगी दीपिका पादुकोण, राका को लेकर बढ़ी एक्साइटमेंट

राका को लेकर चर्चा तेज होती जा रही है और बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच दीपिका पादुकोण के रोल को लेकर नई डिटेल्स सामने आई हैं. टीम ने पहले ही कन्फर्म कर दिया था कि वो फिल्म में एक बहुत ही जरूरी रोल निभा रही हैं और अपनी प्रेग्नेंसी के बावजूद शूटिंग जारी रखेंगी. अब नई डिटेल्स से ये और साफ हो गया है कि वो फिल्म की कहानी का एक अहम हिस्सा हैं और हमें इस सुपरस्टार के जबरदस्त एक्शन के साथ इमोशनल सीन्स भी देखने को मिलेंगे. उनके किरदार को लेकर बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच सोर्सेज का कहना है कि दीपिका कहानी की मुख्य कड़ी बनी हुई हैं और उनके सीन्स में कोई बदलाव नहीं किया गया है. रणवीर सिंह के साथ अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद के दौरान भी वो अपने प्रोजेक्ट्स की शूटिंग जारी रखे हुए हैं. प्रोडक्शन से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया, फिल्म में दीपिका की एंट्री धमाकेदार है और अल्लू अर्जुन के साथ उनका एक बड़ा एक्शन सीन भी है. अब ये सीन्स बॉडी डबल की मदद से शूट किए जाएंगे, जबकि दीपिका खुद ड्रामेटिक और इमोशनल सीन्स की शूटिंग जारी रखेंगी. उनके रोल में कोई कटौती नहीं की गई है और वह वैसी ही बनी रहेगी. वह श्राका्य की एक मुख्य किरदार हैं और प्रेग्नेंसी की वजह से कहानी में कोई बदलाव नहीं हुआ है.

एटली के निर्देशन में बन रही श्राका्य को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है, खासकर दीपिका के किरदार को लेकर, जिससे कहानी में काफी इमोशनल गहराई आने की उम्मीद है.

एटली द्वारा निर्देशित श्राका्य को लेकर काफी एक्साइटमेंट है, खासतौर पर दीपिका और अल्लू अर्जुन के किरदारों के लिए, जो एटली के विजन के साथ पर्दे पर कमाल करने वाले हैं. इससे पहले एक सूत्र ने बताया था, अपनी प्रेग्नेंसी के बीच भी दीपिका पादुकोण श्राका्य के लिए इंटेंस एक्शन सीक्वेंस शूट कर रही हैं और पूरी प्रेग्नेंसी के दौरान फिल्म की शूटिंग जारी रखेंगी.

श्राका्य और शकिंग्य जैसी दोनों फिल्मों के काम सुचारू रूप से आगे बढ़ने और उनके किरदारों में कोई बदलाव न होने के साथ, दीपिका पादुकोण लगातार चर्चा में बनी हुई हैं.

रिलीज हुआ पैट्रियट का ट्रेलर, ममूटी और मोहनलाल को देखकर खुश हुए फैंस, दिए ऐसे रिएक्शन

ममूटी, मोहनलाल और नयनतारा जैसे बड़े सितारों से सजी अपकमिंग फिल्म पैट्रियट के ट्रेलर का दर्शकों को काफी इंतजार था। उनका इंतजार खत्म हो गया है। फिल्म का हिंदी ट्रेलर रिलीज

हो गया है। इसमें ममूटी और मोहनलाल बेहतरीन किरदार में नजर आए हैं।

तीन मिनट 34 सेकंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि सरकार एक ऐसा ऐप बनाती है, जिससे आम जनता की निजी जानकारियां सरकार तक पहुंचती हैं। कई लोग इसका गलत इस्तेमाल करते हैं। इस बीच डॉक्टर डैनियल (ममूटी) के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया जाता है। ऐसा लगता है कि वह किसी साजिश का शिकार हुए हैं। इसके बाद ट्रेलर में मोहनलाल नजर आते हैं। चूंकि ममूटी और मोहनलाल बचपन में दोस्त थे इसलिए वह ममूटी की बिना पूछे मदद करना चाहते हैं। हालांकि दोनों के बीच टकराव हो जाता है।

फिल्म में हीरो कौन होगा और कौन विलेन होगा, यह फिल्म देखने पर पता चलेगा। ट्रेलर में ममूटी और मोहनलाल एक्शन अवतार में नजर आए हैं। इसमें नयनतारा की भी झलक दिखी है, जो अहम किरदार में हैं। ट्रेलर में फहद फाजिल भी अहम किरदार में नजर आए हैं।

पैट्रियट का हिंदी ट्रेलर देखकर कई यूजर्स ने इस पर कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा है ममूटी, मोहनलाल और नयतारा। एक ही फिल्म में तीन पावर हाउस। एक दूसरे यूजर ने लिखा है ममूटी पद्म भूषण पुरस्कार विजेता 2026, मोहनलाल दादासाहेब फाल्के पुरस्कार विजेता 2025। एक और यूजर ने लिखा एक ही फ्रेम में सभी मलयालम लीजेंड।

पैट्रियट का निर्देशन महेश नारायणन ने किया है। इसमें ममूटी, मोहनलाल, नयनतारा, फहद फाजिल, दर्शना राजेंद्रन, कुंचको बोबन और रेवती भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 1 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले इसे 23 अप्रैल, 2026 को रिलीज करने का प्लान था।

बेहद ग्लैमरस हैं सनी देओल की ऑन–स्क्रीन बहू, बिकनी में सिमरत कौर ढाती हैं कहर

सिमरत कौर ने फिल्म गदर 2 से खूब सुर्खियां बटोरी. फिल्म में उन्होंने सनी देओल की बहू का रोल प्ले किया था. फिल्म में सिमरत ने सादगी भरें अंदाज से दर्शकों का दिल जीत लिया था. वहीं रियल लाइफ में वो बेहद ही ग्लैमरस हैं. हाल ही में उन्होंने

बिकनी में अपनी कई फोटोज शेयर की हैं. सिमरत कौर ने इंस्टाग्राम पर अपनी ये फोटोज शेयर कर सभी का ध्यान खींच लिया है. सिमरत ने मल्टीकलर प्रिंटेड बिकिनी टॉप और स्कर्ट पहना है. जिसमें वो काफी स्टाइलिश दिख रही हैं. फोटोज में सिमरत बीच पर कॉन्फिडेंट अंदाज में नजर आ रही हैं. उन्होंने कई पोज दिए हैं. एक फोटो में एक्ट्रेस सन किस्ड लेती नजर आ रही हैं. उनके चेहर पर ग्लो भी साफ नजर आ रहा है. वहीं दूसरी में वो कॉन्फिडेंट अंदाज में सेल्फी लेती दिखीं. नो मेकअप लुक में एक्ट्रेस काफी खूबसूरत लग रही हैं. उनकी इन फोटोज ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है. फैंस इन्हें खूब पसंद कर रहे हैं. बता दें, सिमरत सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. इंस्टाग्राम पर उनके 1.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं.

कामकाजी महिलाएं गर्मियों के दौरान इन 5 ब्यूटी टिप्स को अपनाएं, लगेंगी खूबसूरत

गर्मियों में कामकाजी महिलाओं के लिए मेकअप और त्वचा की देखभाल को संभालना मुश्किल हो सकता है। इस मौसम में पसीना और उमस त्वचा को चिपचिपा बना देती है, जिससे मेकअप भी खराब हो सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान और असरदार ब्यूटी टिप्स बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप गर्मियों में भी ताजगी और खूबसूरती के साथ ऑफिस जा सकती हैं और खुद को तरोताजा महसूस कर सकती हैं।

नियमित रूप से त्वचा को साफ करें

गर्मियों में त्वचा पर मृत कोशिकाएं और गंदगी जमा हो जाती है, जिससे त्वचा बेजान और थकी–थकी सी लगती है। इससे छुटकारा पाने के लिए नियमित रूप से त्वचा की सफाई करना जरूरी है। हफ्ते में 2–3 बार हल्के हाथों से स्क्रब करें, ताकि मृत त्वचा हट जाए और त्वचा को नई ऊर्जा मिले। इससे आपकी त्वचा साफ और ताजगी भरी महसूस होगी और मेकअप भी लंबे समय तक टिकेगा।

हल्की क्रीम लगाएं

गर्मियों में भारी क्रीम का इस्तेमाल करने से त्वचा चिपचिपी लग सकती है, जिससे बचने के लिए हल्की जेल आधारित क्रीम लगाएं। यह त्वचा को नमी प्रदान करेगी और चिपचिपाहट भी नहीं होगी। जेल आधारित क्रीम जल्दी अवशोषित हो जाती है और त्वचा को ताजगी भरी महसूस कराती है। इसके अलावा यह पसीने को भी कम करती है और त्वचा को ठंडक देती है, जिससे आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगी।

धूप से बचाव वाली क्रीम इस्तेमाल करें

चाहे बादल हों या धूप, रोजाना धूप से बचाव की क्रीम लगाना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह आपकी त्वचा को हानिकारक किरणों से बचाती है। इसे लगाने से पहले अपने चेहरे को अच्छी तरह साफ करें और फिर अपने चेहरे, गर्दन और हाथों पर अच्छी तरह लगाएं। इसे हर 2–3 घंटे के बाद दोबारा लगाएं, खासकर अगर आप बाहर हैं तो। इससे आपकी त्वचा सुरक्षित रहेगी और झुलसने का खतरा कम होगा।

हल्के रंगों की लिपस्टिक का चयन करें

गर्मियों में भारी और गहरे रंग की लिपस्टिक लगाने से होंठ चिपचिपे लग सकते हैं। इसलिए, गुलाबी, पीच या न्यूड जैसे हल्के रंग चुनें। ये रंग न केवल आपको ताजगी भरी लुक देंगे, बल्कि पूरे दिन आरामदायक भी महसूस होगा। इसके अलावा हल्के रंग की लिपस्टिक आपके चेहरे पर एक प्राकृतिक चमक भी लाएगी और आपको हर समय खूबसूरत महसूस करवाएगी। इस तरह आप गर्मियों में भी स्टाइलिश और आरामदायक दिख सकती हैं।

बालों का साधारण स्टाइल अपनाएं: गर्मियों में बालों को संभालना मुश्किल हो सकता है, इसलिए उन्हें साधारण रखें। पोनीटेल, जूड़ा या फिर चोटी जैसे हेयरस्टाइल आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। ये न केवल स्टाइलिश दिखते हैं, बल्कि पसीने से भी बालों की सुरक्षा करते हैं और उन्हें उलझने से बचाते हैं। इन ब्यूटी टिप्स को अपनाकर आप गर्मियों में भी ताजगी और खूबसूरती के साथ ऑफिस जा सकती हैं और खुद को तरोताजा महसूस कर सकती हैं।